मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 63
गुरुवार, 11 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पूरे देश में वोटर लिस्ट का एसआईआर, अक्टूबर से होगी शुरूआत

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि मतदाता सूचियों का एक विशेष राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। बुधवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) की बैठक में इस प्रक्रिया की तैयारियों पर चर्चा की गई, जहाँ इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई। चुनाव आयोग ने हाल ही में बिहार विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची में इसी तरह का संशोधन किया था। अब इस प्रक्रिया का विस्तार सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा बिहार चुनाव समाप्त होने से पहले ही हो सकती है। सम्मेलन-सह-कार्यशाला के दौरान, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से पूछा गया कि वे इस संशोधन के लिए कितनी जल्दी तैयार हो सकते हैं। अधिकांश अधिकारियों ने आयोग को आश्वासन दिया कि सितंबर तक बुनियादी कार्य पूरा हो जाएगा, जिससे अक्टूबर में इसके शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त होगा।

दिन भर चली बैठक, जिसमें साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चली प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, एसआईआर की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर केंद्रित रही। सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को उन दस्तावेजों की एक सूची तैयार करने का भी निर्देश दिया, जिनका उपयोग पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के सत्यापन के लिए किया जा सकता है। ये स्थानीय स्तर पर स्वीकृत और आसानी से उपलब्ध प्रमाण पत्रों पर आधारित होंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग होते हैं।

उदाहरण के लिए, आदिवासी आबादी वाले राज्यों, पूर्वोत्तर और तटीय क्षेत्रों के राज्यों में अक्सर पहचान और निवास प्रमाण के लिए विशिष्ट दस्तावेज होते हैं। कई जगहों पर, क्षेत्रीय स्वायत्त परिषदें और स्थानीय निकाय भी ऐसे प्रमाण पत्र जारी करते हैं जिन्हें व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। आयोग ने राज्यों से कहा है कि वे सत्यापन प्रक्रिया को अंतिम रूप देते समय इन भिन्नताओं को ध्यान में रखें। चुनाव आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य मृतक, स्थायी रूप से स्थानांतरित हुए लोगों, डुप्लिकेट प्रविष्टियों या गैर-नागरिकों के नामों को हटाकर मतदाता सूचियों को साफ करना है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र मतदाता को इसमें शामिल किया जाए।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का एक्शन, कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सेल गिरफ्तार

कर्नाटक, 10 सितम्बर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल को अवैध लौह अयस्क निर्यात से जुड़े कथित धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उत्तर कन्नड़ की कारवार विधानसभा सीट से विधायक सैल को 9-10 सितंबर की दरम्यानी रात संघीय जांच एजेंसी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया। उन्हें एक विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें एक दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। सूत्रों ने आगे बताया कि बुधवार को जब उन्हें फिर से अदालत में पेश किया जाएगा, तो संघीय एजेंसी उनकी हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग कर सकती है।

सैल पिछले कुछ हफ्तों में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले दूसरे कांग्रेस विधायक हैं। अगस्त में, ईडी ने अवैध सट्टेबाजी से जुड़े एक अलग धन शोधन मामले में चित्रदुर्ग के विधायक के सी वीरेंद्र 'पप्पी' को गिरफ्तार किया था। सेल के खिलाफ मामला 59 वर्षीय विधायक से कथित रूप से जुड़ी एक कंपनी द्वारा लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात से संबंधित है। ईडी ने इस मामले में 13-14 अगस्त को कारवार, गोवा, मुंबई और दिल्ली में छापेमारी की थी।

देवरिया में मोटरसाइकिलों की टक्कर में दो लोगों की मौत, एक घायल

देवरिया, 10 सितम्बर। देवरिया जिले के मिश्रौली गांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह दुर्घटना कंचनपुर-गोरयाघाट मार्ग पर मंगलवार रात करीब 11 बजे हुई जब रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के गोरयाघाट निवासी राजू गोंड (24) और अंकित गोंड (25) कुछ काम निपटाकर घर लौट रहे थे।

उन्होंने बताया कि उसी समय, बरियारपुर थाना क्षेत्र के बेलवनिया उपाध्याय गांव का राजन प्रसाद (26) विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहा था। पुलिस ने बताया कि मिश्रौली गांव के पास एक स्थानीय मंदिर के सामने दोनों मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई, जिससे राजू गोंड और राजन प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अंकित गोंड गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज चल रहा है। रामपुर कारखाना थाने के प्रभारी अभिषेक कुमार राय ने बताया कि दोनों मोटरसाइकिलें जब्त कर ली गई हैं और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एयरपोर्ट से ताज तक गूंजा भारत : मॉरीशस मैत्री का स्वर, काशी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री का भव्य एवं दिव्य स्वागत

वाराणसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम बुधवार की शाम 6:18 बजे अपने विशेष विमान से बाबतपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री व जनपद वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार समेत वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। पुष्पगुच्छ भेंट कर गरिमामय स्वागत किया गया। वहां से वे सड़क मार्ग से होटल ताज रवाना हुए। इस दौरान एयरपोर्ट से ताज होटल तक के मार्ग पर पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और हाथों में तिरंगा लिए बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। एयरपोर्ट से होटल ताज तक के मार्ग पर काशीवासियों ने अपने विशिष्ट अतिथि का अभिनंदन किया। मंगारी चौराहा, जयपुरिया स्कूल के पास, गिलट बाजार, भोजूबीर, कचहरी स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर चौराहा और होटल ताज के समीप प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लिए पारंपरिक ढंग से उनका अभिनंदन किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी काशीः मॉरीशस के प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही शहर का माहौल उत्सवमय हो उठा था। तरना बाईपास, सुद्धिपुर में श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम संस्कृत महाविद्यालय के बटुक हाथों में तिरंगा लिए स्वागत हेतु पंक्तिबद्ध खड़े रहे। गिलट बाजार तिराहे पर लिल्ली घोड़ी और धोबिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। जगह-जगह स्कूली बच्चों ने भारत : मॉरीशस मैत्री और हर हर महादेव के उद्घोष एवं पारंपरिक वाद्ययंत्र से वातावरण गुंजायमान रहा।

गंगा आरती व द्विपक्षीय वार्ता से और गहराएंगे रिश्तेः मॉरीशस के प्रधानमंत्री गुरुवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री रामगुलाम के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। इसमें शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और तकनीकी सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। इसके बाद वे श्री काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन करेंगे और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद लेंगे। सायंकाल वे दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती के दिव्य दृश्य के साक्षी बनेंगे। प्रधानमंत्री रामगुलाम के दौरे से भारत मॉरीशस के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। काशी ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि वह न केवल धर्म और संस्कृति की राजधानी है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की आत्मीयता और अतिथि देवो भवः की परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है।

भारत : मॉरीशस संबंधों की ऐतिहासिक गहराईः भारत और मॉरीशस के रिश्ते केवल आज की कूटनीतिक जरूरतों पर आधारित नहीं हैं, बल्कि यह संबंध सदियों पुराने सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव पर खड़े हैं। 19वीं सदी में हजारों भारतीय मजदूर, जिन्हें गिरमिटिया मजदूर कहा जाता है, मॉरीशस पहुंचे थे। उनमें से अधिकांश उत्तर प्रदेश और बिहार से थे।

उन्होंने अपनी मेहनत और संघर्ष से न केवल मॉरीशस का निर्माण किया, बल्कि भारतीय संस्कृति, भाषा और परंपराओं को भी वहां जीवित रखा . आज भी मॉरीशस की जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई हिस्सा भारतीय मूल का है। हिंदी, भोजपुरी और अवधी वहां बोली जाती है। दीपावली, होली और महाशिवरात्रि जैसे त्योहार उसी उत्साह से मनाए जाते हैं जैसे भारत में। यही कारण है कि मॉरीशस और भारत के संबंध केवल सरकारों के बीच नहीं, बल्कि जनता के दिलों के बीच भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

पड़ोसियों के बीच झगड़े का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पड़ोसियों के बीच बहस या हाथापाई जैसी घटनाएं भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के दायरे में नहीं आतीं।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने एक महिला द्वारा अपनी पड़ोसी को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में उसे कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा सुनाई गई तीन साल की सजा को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि आईपीसी की धारा 306 लागू करने के लिए यह आवश्यक है कि अभियुक्त ने आत्महत्या के लिए पीड़ित को उकसाया हो, सहायता की हो या उसे आत्महत्या के लिए प्रेरित किया हो। पीठ ने कहा, यद्यपि अपने पड़ोसी से प्रेम करो एक आदर्श स्थिति है, लेकिन पड़ोस में झगड़े समाज के लिए कोई नई बात नहीं हैं। ऐसे झगड़े सामुदायिक जीवन में आम हैं। प्रश्न यह है कि क्या तथ्यों के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला बनता है? अदालत ने कहा कि वह इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी कि अपीलकर्ता और पीड़िता के परिवारों के बीच कहासुनी और तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद, अपीलकर्ता की ओर से आत्महत्या के लिए किसी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उकसावे की मंशा थी। पीठ ने कहा, ऐसे झगड़े रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं, और तथ्यों के आधार पर हम यह नहीं कह सकते कि अपीलकर्ता द्वारा ऐसा कोई कृत्य हुआ, जिससे पीड़िता को आत्महत्या के अलावा कोई और रास्ता न दिखा हो। उच्चतम न्यायालय कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उच्च न्यायालय ने आरोपी महिला को आईपीसी की धारा 306 के तहत दोषी ठहराया था, लेकिन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2) (वी) के आरोप से बरी कर दिया था। मामले के अनुसार, वर्ष 2008 में आरोपी महिला और पीड़िता के बीच एक मामूली विवाद शुरू हुआ था जो लगभग छह महीने तक चला।

कब्जा मुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं कानूनी सबक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को किसी दबंग द्वारा गरीबों की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने की स्थिति उसे तुरंत कब्जामुक्त कराने और उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के बुधवार को निर्देश दिए। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर लगभग 200 फरियादियों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सी.पी. राधाकृष्णन: एक नये अध्याय की शुरूआत

-ललित गर्ग

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा। एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दर्शाता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा। सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक जमीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है। आज एनडीए द्वारा इस परंपरा में नई ऊर्जा का संचार करते हुए प्रभावी और रचनात्मक व्यक्तित्व को उपराष्ट्रपति पद पर प्रतिष्ठित करना भारतीय राजनीति की उज्जवल परंपरा को आगे बढ़ाने का संकेत है। यह प्रयास बताता है कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल सत्ता-संघर्ष में नहीं बल्कि उच्च पदों पर ऐसे व्यक्तित्वों के चयन में निहित है जो नैतिकता, विद्वत्ता और संवेदनशीलता से लोकतंत्र की गुणवत्ता को बढ़ाएं। डॉ. राधाकृष्णन की परंपरा को स्मरण करते हुए यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति संस्था निरंतर आदर्शवाद, विमर्श की गहराई और राष्ट्रीय मूल्यों की ऊर्जा का केंद्र बनी रहे। सी.पी. राधाकृष्णन का जीवन संघर्ष, साधना और निरंतर सक्रियता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन का विद्यार्थी जीवन खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से जुड़ा रहा। वे टेबल टेनिस के चैम्पियन रहे और उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर सामाजिक सेवा के मार्ग पर आगे बढ़े। सत्तर के दशक में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी से राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले राधाकृष्णन धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे बने। कोयंबटूर से वे 1998 और 1999 में लगातार दो बार लोकसभा सदस्य चुने गए। संसद में उनकी सक्रियता, समितियों में भागीदारी और जनता से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी ने उन्हें एक सशक्त जननेता के रूप में पहचान दी। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु का नेतृत्व किया और संगठन विस्तार के लिए यात्रा, आंदोलन और संवाद को प्रमुखता दी। इसके बाद कोइर बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने नारियल उद्योग और उसके निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राधाकृष्णन की प्रशासनिक यात्रा उन्हें राज्यपाल पद तक ले गई। वे झारखंड, तेलंगाना और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पारदर्शिता, सौम्यता और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य किया। उनकी छवि एक सहज, सरल और संतुलित व्यक्ति की है जो संवाद से समाधान तलाशने में विश्वास रखते हैं। जब तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ा तो इस पद पर चुनाव की आवश्यकता पड़ी। एनडीए ने सर्वसम्मति से राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष ने भी अपना प्रत्याशी उतारा, परंतु संख्या बल के कारण यह साफ था कि राधाकृष्णन की विजय लगभग सुनिश्चित है। कुछ क्षेत्रीय दलों ने मतदान से दूरी बना ली, जिससे समीकरण और भी सरल हो गए। राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति बनने से राज्यसभा की कार्यवाही में संयम और संवाद की संस्कृति मजबूत होगी। उपराष्ट्रपति का दायित्व केवल औपचारिक नहीं होता, बल्कि यह संसद की गरिमा और संविधान की मयार्दा का संरक्षक भी होता है। दक्षिण भारत से आना और ओबीसी समुदाय से होना उन्हें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन का प्रतिनिधि बनाता है। उनका पूरा जीवन एक कर्मयोगी की तरह रहा है। उन्होंने किसी भी पद को केवल शक्ति के रूप में नहीं देखा बल्कि सेवा और कर्तव्य निभाने का अवसर माना। अब वे सत्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल प्रारंभ रहें हैं तो यह आशा की जा सकती है कि वे संसद में शांति, लोकतांत्रिक परंपराओं और संवाद के स्तर को ऊँचाई देंगे। नका अनुभव, धैर्य और समर्पण देश की लोकतांत्रिक संरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर की यात्रा से शांति बहाली की आशा जागी

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर की यात्रा कर सकते हैं। भले ही अभी उनकी यात्रा की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों ने जानकारी दी है कि यात्रा से लेकर सभी तैयारियां की गई हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने संकेत दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी कुछ घंटों के लिए दौरे पर आ सकते हैं। मई 2023 में मैतेई और कुकी जनजाति के बीच हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर का यह पहला दौरा होगा।ऐसे में इंफाल और चुराचांदपुर में हलचल तेज हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मिजोरम में नई बैराबी-सैरांग रेलवे का उद्घाटन करने के बाद चॉपर से मणिपुर के चुराचांदपुर जिले आएंगे। चुराचांदपुर पीस ग्राउंड में उनके भाषण देने के बाद उम्मीद है कि वह आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के साथ कुछ देर बातचीत करेंगे।

यदि प्रधान मंत्री यात्रा करते हैं, तो मई 2023 में जातीय हिंसा फैलने के बाद पहली बार राज्य में आएंगे। इस यात्रा से उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी यहां कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 सितंबर के दौरे को बेहद अहम माना जा रहा है। भाजपा के एक विधायक ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे, जहां वे जातीय हिंसा में विस्थापित हुए लोगों से मिलेंगे। इसके बाद वे इंफाल के ऐतिहासिक कांगला किले में लगभग 15,000 लोगों की एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मणिपुर पुलिस मुख्यालय और सिविल सचिवालय जैसे अहम ढांचागत परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर सकते हैं।

बता दें कि विपक्ष अक्सर प्रधानमंत्री मोदी पर मणिपुर न जाने को लेकर सवाल उठाता रहा है। देश में विपक्षी दलों की समस्या यही है कि वे कहीं भी कुछ अच्छा नहीं देखना चाहते हैं। इसके मुताबिक मणिपुर में अशांति तब हुई जब देश में काफी शांति थी और विपक्षी दल, खासकर राहुल गांधी लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साध रहे थे। उन्होंने चुनाव के बाद भी मणिपुर का दौरा नहीं किया और इसी वजह से मोदी ने पूर्वोत्तर का अपमान किया है। विपक्ष का ऐसा लहजा था। लेकिन मोदी ने अब 13 तारीख को मणिपुर जाने का फैसला किया है और उनका शेड्यूल तय हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इससे विपक्ष के पेट दर्द पर रोक लगेगी। यह सच है कि पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर 2023 से कुकी और मैतेई जाति की हिंसा से कहर बरपा रहा है और वहां की सरकार को इस्तीफा देना पड़ा जिसके कारण मुख्यमंत्री एन। वीरेंद्र सिंह को इस्तीफा देना पड़ा, तब से राज्य में केंद्रीय शासन है, लेकिन कोई नहीं जानता था कि मैत्रेई और कुकी विद्रोहियों के बीच संघर्ष को कैसे नियंत्रित किया जाए। मणिपुर संघर्ष के कारण बहुस्तरीय हैं, जिसमें मैतेई समुदाय को एसटी का दर्जा देने के लिए मणिपुर उच्च न्यायालय की सिफारिश भी शामिल है। इससे कुकी समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई, जो अपेक्षाकृत अल्पसंख्यक है। इस संघर्ष के कारण मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच भूमि विवाद पैदा हुआ और इसके परिणामस्वरूप तबाही मच गई। नतीजतन, मणिपुर, जो पूर्वोत्तर में इतने लंबे समय तक शांतिपूर्ण था, संसाधनों पर ऐतिहासिक विवादों, नशीली दवाओं के विवाद और राजनीति के कारण चरम संघर्ष की स्थिति में उलझा हुआ था, जिसे संघर्ष की जड़ माना जाता है। कुकी जो समुदाय के अल्पसंख्यक कुकी जो समुदाय के भेदभाव को आबादी में अपने अधिकार और स्थान खोने का डर था। संसाधनों को लेकर विवाद और आवंटन को लेकर टकराव ने दोनों जनजातियों के बीच एक विवाद को जन्म दिया और अब पीछे हटने की स्थिति में नहीं है।

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि इस संघर्ष में बड़े राजनेताओं और कॉरपोरेट्स के हित शामिल हैं, मणिपुर में जातीय संघर्ष पुराना है और इसकी पृष्ठभूमि विभिन्न समुदायों के बीच भूमि अधिकारों की लड़ाई है। यह कि प्रधानमंत्री केवल तीन घंटे के लिए राज्य का दौरा करेंगे, जल्दबाजी में किया गया दौरा है और मणिपुर के लोगों ने लंबे समय तक इंतजार किया है, लेकिन विपक्ष सिर्फ आलोचना के लिए आलोचना कर रहे थे। मूल रूप से, प्रधानमंत्री की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब जातीय मुद्दे, मैत्रेई और कुकी जो जनजातियों के बीच वास्तविक अलगाव को हल करने का समय आ गया है। विद्रोही समूह और सेना की गतिविधियों को बिना किसी बाधा के रोकने के लिए जो त्रिपक्षीय समझौता हुआ था, वह अनिवार्य था, लेकिन पहल पहले दिन ही ध्वस्त हो गई। संघर्ष छिड़ गया। जब संघर्ष शुरू हुआ, तो सरकार ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के अपने फैसले की घोषणा की और नागा परिषद ने इसके खिलाफ व्यापार प्रतिबंध की घोषणा की। यह त्रिपक्षीय समझौता राजनीतिक संवाद का आधार बने रहे और मणिपुर को मिलिशिया संचालित राजनीतिकरण से मुक्त करे। और राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 02 जिसे सेनापति जिले में नागा जनजातियों का वर्चस्व है, को फिर से खोला जाना चाहिए। भारत में अन्य राज्य हैं और मणिपुर भी भारत में है। इसलिए हमें इस अवस्था से दूर नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस चाहे जो भी कहो, मोदी का मणिपुर दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब लंबे समय से लंबित इस मुद्दे के सुलझने की संभावना है। अब राष्ट्रीय राजमार्ग को फिर से खोलने के कुकियों के फैसले के साथ-साथ दोनों जनजातियों के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की संभावना ने लंबे समय से लंबित जातीय संघर्ष के मुद्दे के समाधान का मार्ग प्रशस्त किया है। यह मोदी की मणिपुर यात्रा का ध्येय है। मोदी के दौरे के मौके पर एसओओ और केंद्र सरकार और कुकी नेशनल ऑर्गेनाईजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट के बीच समझौता होने की संभावना है। इसलिए माना जा रहा है कि मोदी के दौरे से प्रदेश कई महीनों से चल रही हिंसा से मुक्त होगा और राज्य में शांति बहाल होगी। मणिपुर में पिछले दो साल से चल रही अशांति और हिंसा अब खत्म हो जाएगी। उम्मीद है कि मोदी की यात्रा फलदायी होगी। बीच की अवधि में राज्य और केंद्र ने कई प्रयास किए, लेकिन शुरू हुई हिंसा को कोई नहीं रोक सका। सरकार ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ चर्चा की लेकिन कुछ भी नहीं निकला। अब ऐसा लग रहा है कि ऐसा ही होगा। गौरतलब है कि मैतेई और कुकी लोगों के बीच शुरू हुए संघर्ष में 250 से ज्यादा लोग मारे गए और 57,000 से ज्यादा लोग विस्थापित हुए। इस साल 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है और अपेक्षाकृत सामान्य स्थिति बनी हुई है।

राज्य में प्रधानमंत्री के संभावित दौरे को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हैं। कई लोग इसे बहुत देर सेह्व आने वाला बता रहे हैं, लेकिन कुकी जो काउंसिल के प्रवक्ता गिंजा वुअलजोंग ने उम्मीद जताई कि मोदी समुदाय के प्रतिनिधियों और नेताओं से मिलेंगे। मणिपुर की भाजपा सरकार के दौरान हिंसा हुई थी उसे मैतेई समर्थक के तौर पर देखा जाता रहा है।वुअलजोंग ने कहा कि अगर वह हमारी मुश्किलें समझने और हमारे मुद्दों का समाधान करने के लिए मणिपुर आ रहे हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। हम उम्मीद करते हैं कि वह हमारे नेताओं के साथ बैठकर हमारी स्थिति और मांगों को समझेंगे। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि वह राहत शिविरों का दौरा करेंगे और देखेंगे कि हमारे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) को कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।इम्फाल स्थित कोकोमी के सलाहकार जीतेन्द्र निंगोम्बा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मोदी की यात्रा समाधान या शांति की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम लाएगी। हाल के महीनों में, एनडीए विधायकों के बीच मणिपुर में राष्ट्रपति शासन समाप्त करने और एक लोकप्रिय सरकार की बहाली की मांग बढ़ती जा रही है। इसकी मांग करने वाले नेताओं में पूर्व भाजपा मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनके करीबी विधायक, साथ ही मैतेई नेता के कट्टर विरोधी भी शामिल हैं जो राज्य में संकट के लिए उन्हें ज़िम्मेदार मानते हैं। विरोधी दल की ऐसी धारणा है कि मोदी सरकार ने सामान्य स्थिति लाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं, जिसमें इस वर्ष फरवरी तक बिरेन सिंह को पद पर बनाए रखना भी शामिल है जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया और राष्ट्रपति शासन का मार्ग प्रशस्त कर दिया। लोकप्रिय सरकार की बहाली की मांग कर रहे विधायकों में से एक ने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री इस संबंध में घोषणा करेंगे और हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए पुनर्वास पैकेज का भी अनावरण करेंगे।बीरेन के करीबी माने जाने वाले भाजपा विधायक बिस्वजीत सिंह थोंगम ने दावा किया कि केंद्र प्राथमिकता के आधार पर शांति बहाली की दिशा में काम कर रहा है। थोंगम ने कहा कि राज्यपाल कार्यालय और केंद्रीय गृह मंत्री दोनों ही राज्य में शांति लाने के प्रयास कर रहे हैं। लोगों को इसकी सराहना करनी चाहिए और हमें इसका समर्थन करना चाहिए। केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी अभी तय नहीं हुई है, लेकिन मोदी के मैतेई बहुल घाटी और कुकी बहुल पहाड़ियों, दोनों का दौरा करने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री दोनों जगहों पर जनसभाओं को संबोधित करने के साथ-साथ दोनों तरफ के शरणार्थी शिविरों का भी दौरा कर सकते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि वह दोनों तरफ के नागरिक समाज समूहों से भी मिलेंगे या नहीं।वैसे सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री के दौरे की योजना लगभग एक साल से चल रही थी और कई बार व्यापक इंतजाम करने के बाद भी इसे टालना पड़ा। कुछ महीने पहले, मणिपुर प्रशासन ने कथित तौर पर मोदी के दौरे के लिए विशेष हेलीपैड भी तैयार किए थे। मणिपुर में राजनीतिक समुदाय और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों ही एक वर्ष से अधिक समय से दिल्ली को संकेत दे रहे हैं कि प्रधानमंत्री का दौरा राज्य के घावों पर मरहम का काम कर सकता है और नागरिक समाज समूहों और आम जनता के बीच यह विश्वास पैदा कर सकता है कि दिल्ली राज्य में शांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री पहले ही मिजोरम और असम का दौरा कर चुके हैं, इसलिए मणिपुर को भी शामिल करना उचित होगा। यह दौरा करने का सही समय भी है। हिंसा में काफी कमी आई है, महीनों से शांति है, राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद प्रशासन अब पूरी तरह से नियंत्रण में है, और विरोधी समूह दिल्ली के साथ सार्थक बातचीत कर रहे हैं। अब इस ज्यादा अनुकूल माहौल में प्रधानमंत्री का दौरा सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

महालक्ष्मी योग में मनेगी नवरात्रि, 10 दिन गूंजेंगे मां के जयकारें

-सुरेश गांधी

आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आरंभ होने वाला शारदीय नवरात्र इस वर्ष 22 सितंबर से 01 अक्टूबर तक श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। 2 अक्टूबर (गुरुवार) को विजयादशमी हैं। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की उपासना का यह पर्व साधक के जीवन से दुख-संकट हरकर सुख, समृद्धि और कल्याण का संदेश देता है। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्र में विधिपूर्वक पूजन और व्रत करने से देवी कृपा सदैव बनी रहती है। नवरात्र के अंतिम दिनों में अष्टमी अथवा नवमी पर कन्या पूजन का विशेष महत्व है। मान्यता है कि नौ कन्याओं का पूजन कर भोजन, वस्त्र और उपहार अर्पित करने से साधक को पूर्ण फल की प्राप्ति होती है और घर-परिवार में सुख-शांति का वास होता है। ज्योतिषियों के अनुसार, 24 सितंबर को चंद्रमा तुला राशि में प्रवेश करेगा और मंगल से युति बनाएगा, जिससे ह्लमहालक्ष्मी राजयोगह्व का निर्माण होगा, यह योग आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक प्रौढ़ता और मानव्यधर्म में वृद्धि का प्रतीक है। यह योग न केवल व्यक्तिगत जीवन में आर्थिक उन्नति दिलाता है, बल्कि समग्र मानव धर्म और कल्याण के लिए प्रेरक ऊर्जा प्रदान करता है। मानो देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद समाहित सृष्टि में फैलता है, प्रत्येक हृदय में उत्साह, सामर्थ्य और आत्मशक्ति जागृत। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह योग आर्थिक वृद्धि, कला के विस्तार और विवाह संबंधी बाधाओं से मुक्ति दिलाने वाला होगा।

मतलब साफ है शारदीय नवरात्रि न केवल भक्तों के लिए साधना-आध्यात्म का पर्व है, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह अनूठी घटना है, जहां हाथी पर मां का आगमन, मानव-वाहन से प्रस्थान तथा चतुर्थी-तिथि वृद्धि जैसे संकेत, आत्मिक और सामुदायिक समृद्धि का संदेश देते हैं। दश-दिवसीय इस उत्सव में कलश स्थापना के दो प्रमुख मुहूर्त, दिनवार तिथि प्रवाह, और सांकेतिक स्वरूप को पढ़ना, हमें यह समझने में सहायक होता है कि धार्मिक उत्सव मात्र पूर्व नियमित अवसर नहीं, बल्कि समय, संकेत और आस्था का समृद्ध समागम हैं। या यूं कहे नवरात्रि केवल देवी की उपासना भर नहीं, बल्कि यह हमें यह सिखाती है कि समाज तभी सशक्त होगा जब स्त्री-शक्ति को सम्मान मिलेगा। साधना तभी सार्थक होगी जब आत्मबल और संयम का पालन होगा। विजयादशमी हमें यह स्मरण कराती है कि असत्य और अन्याय कितना भी बड़ा क्यों न हो, अंततः धर्म और सत्य की ही विजय होती है। काशी की गंगा-धारा की तरह यह पर्व भी भक्ति और संस्कारों का संगम है। दस दिनों की यह नवरात्रि हर भक्त के हृदय में शक्ति, शांति और समृद्धि का संचार करेगी। नवरात्रि हमें यह स्मरण कराती है कि शक्ति की उपासना केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्त्री-सशक्तिकरण और आत्मबल का संदेश है। माँ दुर्गा का हाथी पर आगमन वर्षा और सुख-समृद्धि का संकेत है, जबकि मनुष्य वाहन से प्रस्थान हमें यह बताता है कि समाज और मानव स्वयं अपने भविष्य का निमार्ता है।

काशी की गलियों से लेकर घाटों तक, इस दस दिवसीय पर्व में अध्यात्म और संस्कृति का जो अद्भुत संगम देखने को मिलता है, वही भारत की सनातन आत्मा है। जब नवरात्रि आर्थिक उन्नति का योग लाती है, तो इसका सच्चा स्वर मानवता के प्रति करुणा और सेवा से ही उठता है। माँ दुर्गा की पूजा हमें यह स्मरण कराती है कि शक्ति तभी सार्थक होती है जब वह समाज और मानवता की उन्नति में लगायी जाए। धन, प्रतिष्ठा, और शक्तिकृये सब तभी सुकृत हो सकते हैं जब इनका उपयोग कल्याणकारी उपायों, दान-धर्म, सेवा और न्याय में हो। यह पर्व हमें यह भी याद दिलाता है कि हमारी समृद्धि तभी सच्ची होती है जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। पूजा और व्रत उतना ही मूल्यवान है जितना कि अन्नदान, कन्या पूजन, और दरिद्रों के प्रति प्रेम।

तिथियां और शुभ मुहूर्त

घटस्थापना व प्रतिपदाः 22 सितंबर (रात 01:23 बजे से प्रारंभ)

दुर्गा अष्टमीः 30 सितंबर

अष्टमी तिथि प्रारंभः 29 सितंबर, शाम 04:31 बजे

अष्टमी तिथि समापनः 30 सितंबर, शाम 06:06 बजे

महानवमीः 01 अक्टूबर

नवमी तिथि प्रारंभः 30 सितंबर, शाम 06:06 बजे

नवमी तिथि समापनः 01 अक्टूबर, रात 07:01 बजे

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त (कलश स्थापना)

नवरात्रि आरंभ होने की शाम घटस्थापना का विधिपूर्वक आयोजन अत्यंत शुभ माना जाता है। इस समय कलश स्थापना, जौ बोना और अखंड दीप प्रज्वलन सबसे उत्तम रहेगा।

मुख्य शुभ मुहूर्तः प्रातः 6:09 बजे से 8:06 बजे तक

अभिजीत मुहूर्तः 11:49 बजे से 12:38 बजे तक

दोनों मुहूर्तों में सुबह का समय उत्तम माना जाता है।

दिनवार तिथि - नक्षत्र सारिणी

22 सितंबर प्रतिपदा घटस्थापना, शैलपुत्री पूजन

23 सितंबर द्वितीया ब्रह्मचारिणी पूजन

24 सितंबर तृतीया चंद्रघंटा पूजन

25: 26 सितंबर चतुर्थी (वृद्धि) कूष्मांडा पूजन, अतिरिक्त दिन

27 सितंबर पंचमी स्कंदमाता पूजन

28 सितंबर षष्ठी कात्यायनी पूजन

29 सितंबर सप्तमीकालरात्रि पूजन

30 सितंबर अष्टमी महागौरी पूजन

1 अक्टूबर नवमी सिद्धिदात्री पूजन, कन्या पूजन

2 अक्टूबर विजयदशमी , विसर्जन, हवन, मेला

ग्रह-नक्षत्र और चारों ओर के प्रभाव

चतुर्थी तिथि वृद्धि (25 एवं 26 सितंबर दोनों): इस वृद्धि को बल, समय एवं आध्यात्मिक अवसरों की वृद्धि का संकेत माना गया है। प्रस्थान की सवारी, मनुष्य द्वारा संचालित ह्लनई दिशा और मनोबलह्व का प्रतीक।

मां का आगमन और प्रस्थान

देवी दुर्गा इस बार हाथी की सवारी से पृथ्वी पर पधारेंगी। शास्त्रों के अनुसार यह सुख-समृद्धि, अन्न-वृष्टि और शांति का द्योतक है। जबकि विजयादशमी के दिन मां का मनुष्य वाहन से प्रस्थान होगा। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यह संकेत समाज में जागृति, मानवता के उत्थान और नई राहों की ओर प्रेरणा का द्योतक है। खास यह है कि देवी दुर्गा का आगमन हाथी वाहन पर, इस वर्ष सोमवार से आरंभ होने पर विशिष्ट शुभ संकेत है, यह संपन्नता, फसल की वृद्धि और सामाजिक शांति का द्वार खोलता है। उसके क्रमशः मनुष्य वाहन से प्रस्थान का दृश्य हमें यह याद दिलाता है कि ज्यों-ज्यों समाज आगे बढ़ता है, मानव प्रयास और समानुभूति मायने रखते हैं। शक्ति मात्र चमत्कार नहीं, बल्कि कर्म और चेतना की अभिव्यक्ति है।

नवरात्र केवल देवी उपासना का पर्व नहीं, बल्कि आत्मसंयम, सकारात्मक ऊर्जा और मानवीय मूल्यों के संरक्षण का उत्सव के साथ - साथ शक्ति का जागरण भी है। इस वर्ष शारदीय नवरात्रि का आगाज 22 सितंबर, सोमवार को होगा और समापन 2 अक्टूबर, गुरुवार (विजयादशमी) को है। इस बार के महालक्ष्मी योग ने इसे और अधिक फलदायी बना दिया है। विशेष ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस बार चतुर्थी तिथि में वृद्धि होने के कारण यह पर्व सामान्य नौ दिवसों की जगह दस दिनों तक चलेगा। ऐसे दश-मितीय नवरात्र को शुभता, ऊर्जा और विशेष सिद्धि का प्रतीक माना जा रहा है। खास यह है कि मां दुर्गा इस वर्ष हाथी (गज) पर सवार होकर पृथ्वी पर पधारेंगी, जो सुख, समृद्धि, वर्षा और कृषि-वृद्धि के संकेतक हैं। जबकि प्रस्थान मनुष्य द्वारा संचालित सवारी से होगा, यह नए आयाम, समाज में उत्साह, और मानव-सम्बंधित प्रगति का प्रतीक मानी जाती है

नौ दिनों के नौ रंग

नवरात्र के नौ दिनों में नौ रंगों के वस्त्र पहनने की परंपरा है। हर रंग मां के एक स्वरूप का प्रतीक है और विशेष फल प्रदान करता है।

तिथि	देवी स्वरूप	रंग	महत्व
22 सित.	मां शैलपुत्री	सफेद	शांति और पवित्रता
23 सित.	मां ब्रह्मचारिणी	लाल	ऊर्जा और उत्साह
24 सित.	मां चंद्रघंटा	गहरा नीला	सुख-संपन्नता
25 सित.	(तृतीया)	पीला	स्नेह और सौभाग्य
26 सित.	मां कुष्मांडा	हरा	विकास और सफलता
27 सित.	मां स्कंदमाता	स्लेटी	इंद्रिय नियंत्रण
28 सित.	मां कात्यायनी	नारंगी	सकारात्मक ऊर्जा
29 सित.	मां कालरात्रि	मोर पंखी हरा	शक्ति और विशिष्टता
30 सित.	मां महागौरी	गुलाबी	प्रेम और सौहार्द
01 अक्टू.	मां सिद्धिदात्री	बैंगनी	सिद्धि और आध्यात्मिक उन्नति

इन राशियों के लिए होगा चमत्कारी

सिंह राशिः करियर में नई उपलब्धियां, मान-सम्मान और वाहन लाभ। तुला राशिः व्यापार में लाभ, पदोन्नति और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि। मकर राशिः रुके कार्य गति पकड़ेंगे, धन लाभ और पारिवारिक सुख मिलेगा।

न करें ये गलतियां

अष्टमी और नवमी पर घर-मंदिर की साफ-सफाई अवश्य करें। पूजा के समय काले वस्त्र न पहनें। विवाद, अपमान और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। नवरात्रि में तामसिक भोजन का सेवन न करें।

घर में रखें ये वस्तुएं : नवरात्र से पहले अथवा नवरात्र के दौरान कुछ वस्तुएं घर लाना शुभ माना गया है। महालक्ष्मी यंत्रः धन-समृद्धि का स्रोत। स्वास्तिकः घर में सुख-सौभाग्य का वास। नवग्रह यंत्रः ग्रह दोषों का नाश। श्रृंगार सामग्रीः मां दुर्गा को प्रिय, मनोकामना पूर्ति का साधन। दक्षिणावर्ती शंखः घर में स्थायी खुशहाली।

काशी की विशेष नवरात्रि परंपराए

काशी, जिसे ह्यआध्यात्मिक राजधानीह्ण व ह्यमुक्ति की नगरीह्ण कहा जाता है, नवरात्रि में एक अनोखी आभा से दमक उठता है। घटस्थापना से लेकर दशहरा तक, काशी के हर गली-कूचे में देवी पंडाल सजते हैं। ललिता घाट से लेकर मैदागिन तक भक्ति की धारा बहती है। दुर्गा मंदिरों में विशेष आयोजन के साथ ही दुगाकुंड, अन्नपूर्णा देवी मंदिर, विशालाक्षी शक्ति पीठ और मां गौरी के मंदिरों में अखंड पाठ और हवन होते हैं। घाटों पर दीपमालाएं, मंदिरों में घंटा-घड़ियाल और घर-घर में नौ दिनों का व्रत-भजन। अष्टमी और नवमी पर हजारों कन्याओं को भोजन कराने की परंपरा, बनारस की सेवा-भावना और शक्ति-साधना का अनूठा संगम है।

दुगाकुंड मंदिर

माता दुर्गा का ऐतिहासिक और भव्य मंदिर। यहां नवरात्रि में भक्तों की अपार भीड़ उमड़ती है। दुर्गा सप्तशती का अखंड पाठ और विशेष श्रृंगार होता है।

विशालाक्षी मंदिर (शक्ति पीठ)

माँ सती की कान की मणि यहाँ गिरी थी। नवरात्रि में दक्षिण भारतीय श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ जुटती है। दिसंबर में होने वाले कुम्भाभिषेक की तैयारियों के साथ इस बार नवरात्रि में विशेष उत्साह रहेगा।

अन्नपूर्णा देवी मंदिर

भोजन और समृद्धि की देवी माँ अन्नपूर्णा की पूजा नवरात्रि में विशेष फलदायी मानी जाती है।

माँ गौरी और मां ललिता घाट

यहां नौ दिनों तक दीपमालाएं सजती हैं और गंगा तट पर सामूहिक भजन-कीर्तन गूंजते हैं।

शक्ति, योग और मानवता का त्रिवेणी संगम

मंगल-चंद्र योग (महालक्ष्मी राजयोग): एक ऐसा ज्योतिषीय संयोग जो समृद्धि और मानव कल्याण का द्वार खोलता है। देवी का हाथी पर आगमन, शांति, खेती, वर्षा और स्थिरता की शक्ति। मनुष्य वाहन से प्रस्थान, मानव प्रयास का महत्त्व और समाज में जागृति का प्रतीक। शक्ति तभी सार्थक जब वह मानव कल्याण में समर्पित हो।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले का महत्व

-विक्रम दयाल

उत्तर प्रदेश में कुल पचहत्तर (75) जिले हैं। जिसे प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए अट्ठारह(18) मंडलों मे (कुशल शासन संबंधी सेवाओं के प्रबंधन के लिए) विभाजित किया गया है। उत्तर प्रदेश में नगर निगम, नगर पंचायत, और ग्राम पंचायत जैसी अन्य प्रशासनिक इकाइयां भी हैं, जो प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर काम कर रही हैं। आइये हम उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के महत्व को जानने का प्रयास करें। गोरखपुर आगे महराजगंज में सोनौली बार्डर के जरिये नेपाल से जुड़ा हुआ है। नेपाल से आने जाने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों का सोनौली बार्डर ही प्रमुख प्रवेश द्वार है। गोरखपुर लिंक एक्स्प्रेसवे नेपाल वासियों को लिए किसी वरदान से कम नही है। ऐसे तो नेपाल की सीमा से लगने वाले पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, और महराजगंज जिले हैं। परन्तु गोरखपुर का एक अलग स्थान है। और महत्व भी है। गोरखपुर जिले की भौगोलिक सीमाएँ उत्तर प्रदेश को अन्य जिलों से लगती हैं। इसके पूर्व में देवरिया, कुशीनगर पश्चिम में संत कबीर नगर, उत्तर में महराजगंज और सिद्धार्थनगर तथा दक्षिण में मऊ, आजमगढ़ और अंबेडकर नगर जिले स्थिति हैं। यह

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण जिला है। गोरखपुर एक धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक पहलुओं में निहित है । गुरु गोरखनाथ जी के मंदिर के कारण नाथ संप्रदाय का एक महत्व-पूर्ण अध्यात्मिक केंद्र है और प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र भी है। जो बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है। क्यों कि गोरखपुर भगवान बुद्ध से जुड़ा हुआ है। यह इतिहास में चौरीचौरा आंदोलन के कारण स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वतंत्रता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल की सहादत स्थली रहने के कारण ऐतिहासिक स्थान रखता है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के कारण एक बढ़ता हुआ औद्योगिक केंद्र है। गोरखपुर का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्वः नाथ संप्रदाय का केंद्रः गोरखपुर का नाम संत गोरखनाथ के नाम पर रखा गया है। यहाँ का प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर, नाथ संप्रदाय की प्रमुख पीठ है। अध्यात्मिक संस्थानः यह शहर हिंदू धर्म को विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक गीता प्रेस का घर है, जो धार्मिक और अध्यात्मिक ग्रंथों का प्रकाशन करता है। बौद्ध और जैन धर्म का प्रभावः जिला गोरखपुर का संबंध भगवान बुद्ध और जैन धर्म के संस्थापक भगवान महावीर से भी है। जो इसे बौद्ध और जैन अनुयायियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। संत कबीर की भूमिः संत कवि कबीर दास ने अपना पूरा जीवन मगहर में व्यतीत किया जो गोरखपुर के पास ही स्थिति है, और उनके साहित्य लेखन का कार्यस्थल भी रहा। आर्थिक और औद्योगिक महत्वः औद्योगिक विकासः गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के माध्यम से यह एक तेजी से विकसित होता आज का औद्योगिक क्षेत्र है। प्रमुख परिवहन केंद्रः यह उत्तर पूर्व रेलवे का मुख्यालय है और गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के अनुसार गोरखपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर दुनिया का सबसे लंबा प्लेटफार्म है। गोरखपुर जिले का अन्य आकर्षणः प्राकृतिक और पुरातात्विक धरोहरेंः रामगढ़ ताल झील, कुशमी वन, और अन्य प्राकृतिक आकर्षण से युक्त है। संग्रहालय और स्मारकः यहाँ पुरातात्विक बौद्ध संग्रहालय और चौराचौरी शहीद स्मारक जैसे कई ऐतिहासिक और शैक्षिणिक स्थान हैं।

भिवंडी बी एन एन कालेज में आदिवासी घुमंतू विमुक्त प्रेरणा महोत्सव आज

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल द्वारा संचालित भिवंडी के बीएनएन कॉलेज में आदिवासी खानाबदोश विमुक्त प्रेरणा महोत्सव का आयोजन गुरुवार 11 सितंबर को पालघर लोकसभा सांसद डा. हेमंत सावरा, मुंबई विद्यापीठ के उप निबंधक कृष्णा पराड की उपस्थिति में हर्षोल्लाश के साथ मनाया जायेगा। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष बीडी काले ने पत्रकार परिषद द्वारा कार्यक्रम की जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डा. सुवर्णा रावल, उपप्राचार्य डा. सुधीर निकम, डा. सुरेश भदरगे, डा. कुलदीप राठौड़, पर्यवेक्षक एम ओ महाले, के.पी. अहिरे, श्रीकांत पाटिल आदि उपस्थित लोग उपस्थित थे। संस्थापक पद्मश्री अन्नासाहेब जाधव ने ठाणे पालघर जिले के आदिवासी दलितों को शैक्षिक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा की धारा में लाया गया। संस्था द्वारा विशेष रूप से आदिवासी विद्यार्थियों के लिए 10 आश्रम शालाएं चलाई जा रही हैं। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष बीडी काले ने अंत में बताया कि इन विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए इस उत्सव का आयोजन किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के आदिवासी खानाबदोश समुदाय के कई विद्यार्थी बीएनएन कॉलेज में अध्ययनरत हैं। इस वर्ष 300 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। ये बच्चे शिक्षा के लिए शहर आने पर शर्मीले होते हैं। उनकी हीन भावना को दूर करने और उनका आत्मविश्वास व मनोबल बढ़ाने के लिए इस प्रेरणा उत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें आदिवासी खानाबदोश समुदाय के कला कौशल, संस्कृति और इतिहास की प्रदर्शनी प्रस्तुत की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए वारली चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा और उत्सव का उद्घाटन आदिवासी समुदाय के हिरवा देवता की पूजा के साथ किया जाएगा और इस दौरान जंगली सब्जियों और जंगली फूलों का प्रदर्शन व बिक्री की जाएगी उक्त जानकारी प्राचार्य डा. सुवर्णा रावल ने दी है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में लोक दरबार का आयोजन आज

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में गुरुवार, 11 सितम्बर 2025 को दोपहर 3 बजे वसईझ्रविरार शहर महानगरपालिका मुख्यालय, विरार (प.) स्थित समिति सभागृह, चौथा मंजिल पर लोक दरबार का आयोजन किया जाएगा। इस लोक दरबार में मंत्री प्रताप सरनाईक सीधे नागरिकों से संवाद करेंगे।

महानगरपालिका आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु इस लोक दरबार में अवश्य उपस्थित रहें। लोक दरबार में जिले के विभिन्न विभागों के सभी कार्यालय प्रमुख भी मौजूद रहेंगे, ताकि नागरिकों की शिकायतों और अर्जियों का मौके पर समाधान किया जा सके। महानगरपालिका प्रशासन ने बताया है कि शिकायत दर्ज कराने वाले नागरिकों को अपने आवेदन के तीन प्रतिलिपियाँ साथ लाना अनिवार्य होगा। नगरपालिका ने नागरिकों से सहयोग करने और इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं के समाधान हेतु लोक दरबार में उपस्थित होने की अपील की है।

यामाहा देगा ग्राहकों को दोपहिया वाहनों पर जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ

मुंबई/पटना। इंडिया यामाहा मोटर (आईवाईएम) प्रा. लि. ने हाल ही में हुई दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दर में कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुँचाने की घोषणा की है। ग्राहकों को यह फायदा 22 सितंबर 2025 से मिलेगा, जब संशोधित दरें लागू होंगी। यामाहा मोटर इंडिया ग्रुप के चेयरमैन इतारू ओतानी ने कहा, हम भारत सरकार का समय पर दोपहिया वाहनों पर जीएसटी कम करने के लिए धन्यवाद देते हैं। यह कदम त्योहारी सीजन में दोपहिया वाहनों की मांग को बढ़ावा देगा। इससे वाहनों की कीमतें ग्राहकों के लिए अधिक किफायती होंगी, जो न केवल सीधे लाभ पहुँचाएगा बल्कि कुल खपत को भी बढ़ावा देगा और उद्योग में सकारात्मक ऊर्जा बनाएगा। यामाहा में हमें खुशी है कि हम इस कटौती का पूरा लाभ अपने ग्राहकों तक पूरे भारत में पहुँचा रहे हैं। 22 सितंबर 2025 से प्रभावी यामाहा के दोपहिया वाहन पोर्टफोलियो में संभावित मूल्य कटौती की जानकारी नीचे उपलब्ध है। त्योहारी सीजन में इन लाभों का फायदा उठाने के लिए ग्राहकों से जल्द बुकिंग करने की सलाह दी जाती है।

गांधी के कारण बची है मोदी सरकार, नेपाल पर बोले संजय राउत- भारत में भी बिगड़ सकते हैं हालात

मुंबई। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत ने बुधवार को भारत में भी ऐसी ही घटना होने के प्रति आगाह किया। राउत ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, तानाशाही और भाई-भतीजावाद के खिलाफ नेपाल में जो आग लगी है, वह भारत में भी भड़क सकती है, लेकिन हिंसा न होने का कारण यह है कि लोग महात्मा गांधी की अहिंसक विचारधारा में विश्वास करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गांधी की विचारधारा के कारण ही जीवित है।

राउत ने एएनआई से कहा कि अगर यह चिंगारी भारत में आती है, तो भारत एक बड़ा देश है, वह भारत जो आज तक सिर्फ.इसलिए जीवित है क्योंकि महात्मा गांधी यहाँ पैदा हुए थे, आज भी लोग गांधी में विश्वास करते हैं, इसीलिए ये लोग जीवित हैं। आप गांधी को चाहे जितना भी गाली दें, मोदी जी, आपकी सरकार गांधी की विचारधारा के कारण ही जीवित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन देते हैं, इसका क्या मतलब है? गरीब अभी भी वहीं हैं, नेपाल का भी यही हाल था। भारत का पैसा विदेश जा रहा है। किसी का बेटा दुबई में बैठा है, किसी का बेटा सिंगापुर में, कोई क्रिकेट चेयरमैन बन गया है। उन्होंने केंद्र सरकार पर विदेश नीति में विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत ने अपने पड़ोसी की उस समय मदद नहीं की जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा कि नेपाल कभी हमारा दोस्त था, नेपाल भारत को बड़ा भाई मानता था, जब नेपाल पर संकट आया, तो बड़ा भाई उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, यह हमारी विदेश नीति की विफलता है।

रेती माफियाओं पर कल्याण तहसीलदार की कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण तहसीलदार की टीम ने गश्त के दौरान मोठा गाँव खाड़ी क्षेत्र में दो बज्र और दो सेक्शन पंपों को अवैध रूप से रेती खनन करते हुए पाया गया ऐसा तहसीलदार ने बताया । इस छापेमारी के दौरान, दो बज्र और एक सेक्शन पंप को गैस कटर से नष्ट कर दिया गया। मंगलवार को, एक पंप को मौके पर ही डुबो दिया गया और लगभग 34 लाख रुपये के उपकरण नष्ट कर दिए गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार को तहसीलदार कल्याण की एक टीम ने उल्हास खाड़ी क्षेत्र में मुंब्रा खाड़ी से मोठा गाँव खाड़ी तक गश्त की। मोठा गाँव खाड़ी क्षेत्र में दो बज्र और दो सेक्शन पंप अवैध रूप से रेत खनन करते पाए गए। कल्याण निवासी उप तहसीलदार, अतिरिक्त कल्याण मंडल अधिकारी और कांस्टेबल कोतवाल ने डोंबिवली के मोठा गाँव खाड़ी में अवैध रूप से रेत खनन कर रहे दो बज्र और दो पंप जब्त किए।कार्रवाई के दौरान, नाव में पानी आने के कारण उसमें सवार लोग सेक्शन पंप को बाहर नहीं निकाल पाए, जिससे वह मौके पर ही डूब गया और नाव में सवार लोग कूदकर भाग गए। शेष दो बजरों और एक पंप को गैस कटर से नष्ट कर दिया गया। इस कार्रवाई में अवैध रेत खनन में इस्तेमाल होने वाले लगभग 34 लाख रुपये के उपकरण नष्ट कर दिए गए।कल्याण तहसीलदार सचिन शेजल से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि अवैध रेत खनन के मामले में खाड़ी क्षेत्र में कार्रवाई की जा रही है। अवैध रेत खनन के मामले में आज की कार्रवाई में देर रात तक कार्रवाई करके अवैध रेत खनन में इस्तेमाल होने वाले 34 लाख रुपये के उपकरण नष्ट कर दिए गए और आगे भी इस अवैध रेत खनन अभियान को और तेज किया जाएगा।

जेलियो ई मोबिलिटी ने नेक्स्ट-जेन ग्रेसी को 3 वेरिएंट में लॉन्च किया

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में से एक जेलियो ई-मोबिलिटी ने अपने लोकप्रिय लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर ग्रेसी का फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया है। यह नया वर्जन खासतौर पर आज के सिटी राइडर्स के लिए डिजाइन किया गया है, जो रोजाना की भागदौड़ भरी जिंदगी में एक आरामदायक, किफायती और टिकाऊ सवारी चाहते हैं। अपडेटेड ग्रेसी में पहले से बेहतर परफॉर्मेंस, ज्यादा कंफर्ट और ऐसे फीचर्स दिए गए हैं जो स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और गिग वर्कर्स (जैसे डिलीवरी पार्टनर्स) की डेली की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस लॉन्च के साथ जेलियो ने एक बार फिर यह दिखाया है कि वह लोगों तक स्मार्ट, टिकाऊ और आसानी से उपलब्ध मोबिलिटी सॉल्यूशंस पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यानी अब कस्टमर्स को बेहतर टेक्नोलॉजी और भरोसेमंद इलेक्ट्रिक स्कूटर का एक्सपीरियंस मिलने वाला है। नए ग्रेसी इलेक्ट्रिक स्कूटर को खास तौर पर शहर में किफायती और भरोसेमंद सफर के लिए बनाया गया है। इसकी टॉप स्पीड 25 km/h है और एक बार चार्ज करने पर यह ज्यादा से ज्यादा 140 किलोमीटर तक चल सकता है। इसमें 60/72V का पावरफुल बीएलडीसी मोटर लगा है, जो फुल चार्ज में सिर्फ 1Ü5 यूनिट बिजली खर्च करता है। यह स्कूटर भारतीय सड़कों के हिसाब से डिजाइन किया गया है, जिसमें 180 ` का हाई ग्राउंड क्लियरेंस है। स्कूटर का वजन 85 किलो है और यह 150 किलो तक का भार आराम से उठा सकता है।

गीता वी यादव की पांचवी श्रद्धांजलि सभा में बच्चों को बांटी गई शैक्षणिक सामग्री

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगरपालिका में कर्तव्यनिष्ट और जुझारू कांग्रेस की पूर्व नगरसेविका रही स्वर्गीय गीता वी यादव की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर विगत वर्षों की तरह आज वसोर्वा के पेटलवाडी स्थित उनके निवास स्थान पर बड़े सादगी और शांतिपूर्वक उनके पुत्र समाजसेवी वसोर्वा युवक कांग्रेस तालुका के अध्यक्ष संतोष वी यादव की तरफ से उस परिसर में रहने वाले सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक बैग व खाने पीने की अन्य सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर उपस्थित परिवार के सदस्यों के साथ उनके चाहने वाले समर्थक, शुभचिंतक तथा बच्चों ने उनकी पांचवीं पुण्यतिथि पर 5 मिनट का मौन रखकर उनको याद किया। इस मौके पर मुंबई युवक कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश यादव, स्वर्गीय गीता यादव के पुत्र संतोष वी यादव के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अवैध ईसाई प्रार्थना स्थलों पर कार्रवाई की माँग

संस्कृति संरक्षण समिति ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में तेजी से बढ़ते अवैध ईसाई प्रार्थना स्थलों को लेकर अब स्थानीय संगठनों ने आवाज बुलंद की है। बुधवार 10 सितंबर 2025 को संस्कृति संरक्षण समिति के बैनर तले अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुँचकर ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में ज़िलेभर में संचालित कुल 129 अवैध ईसाई प्रार्थना स्थलों की सूची प्रस्तुत करते हुए इन पर तुरंत कार्रवाई की माँग की गई।

इस ज्ञापन के माध्यम से समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि इन अवैध प्रार्थना स्थलों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में धर्मांतरण की गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में महाराष्ट्र सरकार से यह भी माँग की गई कि राज्य में जल्द से जल्द धर्मांतरण विरोधी कानून लागू किया जाए ताकि इस तरह की गतिविधियों पर स्थायी रोक लग सके। ज्ञापन देने वालों में संस्कृति संरक्षण समिति के मार्गदर्शक स्वामी भारतानंद सरस्वतीजी महाराज के नेतृत्व में मोहन महाराज शिंगडा, रविंद्र रहालकर, महावीर सोलंकी, संतोष जनाठे, चंदन सिंह, अनंत कुडू, भारतीताई, संखेताई, रवि शिवदे, प्रभाकर पाटील और मुकलेश गिरी सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों से प्रत्यक्ष प्रभावित अनेक ग्रामीण नागरिक भी बड़ी संख्या में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपने अनुभव साझा किए। संस्कृति संरक्षण समिति की ओर से कहा गया कि प्रशासन को तत्काल प्रभाव से इन अवैध प्रार्थना स्थलों पर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

समिति ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया तो बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा। समिति का कहना है कि यह केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा से जुड़ा मुद्दा है। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार द्वारा धर्मांतरण रोकने के लिए मजबूत कानून लाना आज की आवश्यकता है।

श्रीओंकार मित्र मंडल की जन सेवा सराहनीय: शंकर झा

मीराभायंदर (उत्तरशक्ति)। देश ही नही बल्कि पूरे विश्व में महाराष्ट्र का गणपति उत्सव जग जाहिर है। और बप्पा के आखिरी विसर्जन के दिन भक्त गण तरह तरह के आयोजन कर लोगों की सेवा करते है।

इसी कड़ी में विगत 17 वर्षों से श्रीओंकार मित्र मंडल सामाजिक संस्था द्वारा बड़े पैमाने पर वड़ा पाव, पानी व शरबत का वितरण किया जाता रहा है। इस बार मंडल के मंच पर शिवसेना नेता व प्रखर समाजसेवक व युवा उद्योगपति शंकर झा ने वड़ा पाव वितरित करते हुए कहा कि मंडल के संस्थापक अशोक मिश्रा का भक्ति और जनसेवा सराहनीय है। जो आज हजारों लोगों की सेवा करते हुये दिखाई दे रहा है। झा ने आगे कहा कि मैं मंडल का मुरीद हो गया आगे किसी भी तरह के सहयोग लिये हमेशा साथ रहूँगा। मंडल के संस्थापक अशोक मिश्रा ने आये हुये अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपक्रम श्री गणेश की कृपा और मंडल कमेटी के सहयोग से 17 वर्षों से सम्पन्न हो रहा है। आगे भी होता रहेगा। मिश्रा ने आगे कहा कि माध्यम चाहे जो भी हो मैं जीवन भर आर एन पी पार्क के देवतुल्य जनता की सेवा करता रहूंगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र पांडेय, समाजसेवक दिनेश दूबे, सुशील सिंह, अभयराज चौबे, अतुल सिंह, योगेश अग्रवाल, महेंद्र सिंह बालोत समेत कार्यकारिणी के अन्य सदस्य व पदाधिकारी मौजूद थे।

आरे कॉलोनी में कैंसर जागरूकता अभियान ने महिलाओं को दी स्वस्थ भविष्य की आशा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देबाब्रता मिताली ऑरो फाउंडेशन और टाटा मेमोरियल अस्पताल के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा आरे कॉलोनी के सेक्टर 13 में कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को कैंसर की रोकथाम, शीघ्र पहचान और स्वास्थ्य सेवा संसाधनों के बारे में जागरूक करके उन्हें सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान, विशेषज्ञों द्वारा आयोजित मार्गदर्शन सत्रों में कैंसर के प्रकारों, आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली से जुड़े जोखिम कारकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विशेष रूप से, महिलाओं में अधिक पाए जाने वाले सर्वाइकल, स्तन और मुख कैंसर पर विस्तार से चर्चा की गई। भाग लेने वाली महिलाओं को स्व-परीक्षण के महत्व और पैप स्मीयर तथा मैमोग्राफी जैसी जाँचों की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि शीघ्र पहचान से उपचार अधिक सफल होता है। इसके अलावा, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तंबाकू और शराब से परहेज जैसी स्वस्थ जीवनशैली की आदतों के बारे में भी मार्गदर्शन दिया गया। कैंसर के बारे में समाज में व्याप्त भय, भ्रांतियों और कलंक को दूर करने पर भी जोर दिया गया। शिविर में स्थानीय महिलाओं की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। विशेषकर उन महिलाओं ने, जिनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तक पहुँच कम है, सक्रिय रूप से भाग लिया और टाटा मेमोरियल अस्पताल में उपलब्ध जाँच सुविधाओं, परामर्श सेवाओं और आगे के उपचार के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

शिविर के अंत में, भाग लेने वाली महिलाओं ने एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प व्यक्त किया और नियमित जाँच कराने के लिए अपनी तत्परता दिखाई। इस पहल ने न केवल जागरूकता पैदा की, बल्कि समुदाय और निवारक स्वास्थ्य सेवा के बीच संबंध को भी मजबूत किया। परिणामस्वरूप, कैंसर के बारे में दीर्घकालिक जागरूकता और निवारक संस्कृति को बढ़ावा देने की एक मजबूत नींव रखी गई।

भिवंडी में शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट द्वारा महाराष्ट्र जन सुरक्षा विधेयक निरस्त करने के लिये किया गया विरोध प्रदर्शन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जन सुरक्षा विधेयक अधिनियम 2024 राज्य सरकार के माध्यम से लागू किये जाने के विरोध में राज्य भर में इसके खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं वहीं भिवंडी शहर में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में भिवंडी लोकसभा महिला अघाड़ी संपर्क संघटिका आशाताई रसाल, जिला प्रमुख मनोज गगे, शहर प्रमुख प्रसाद पाटिल, महानगर प्रमुख अरुण पाटिल, जिला संघटिका वैशालीताई मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, शहर समन्वय नाना झलके, पश्चिम सचिव नितेश दांडेकर शामिल थे आदि के साथ व्यापारी संगठना अध्यक्ष मनीष बंटी गिरी, कामगार सेना अध्यक्ष पप्पान शेख, उप शहर प्रमुख संतोष भावार्थी, भाई वनगे, गणेश मोरे, स्वप्निल जोशी, हर्षल राऊत, अनीस सिद्दीकी, विजय कुंभार, सुरेश पवार, नियाज बाबा, किशोर शिंगोले, राजू पालकर, नरेश शिवदे, केदार शिंगासने, शांताराम गायकवाड़, अजय तेजे, नितेश, मुजम्मिल खान, मयूर कदम, प्रताप शिंदे, अमोल अहिरे, नितिन निकम, शफीक अंसारी, रचना चौधरी, वर्षा पाटिल, सुनीता तरे, दीपाली जैन, अरुणा पाटिल आदि पदाधिकारियों ने भाग लिया। जन सुरक्षा अधिनियम को निरस्त करने के लिए जोरदार नारे लगाए गये।

सीवियर फूड पाइप रप्चर से जूझ रहे 75 वर्षीय बुजुर्ग को मिला नया जीवन

मुंबई **(उत्तरशक्ति)।** नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने कैंसर से ठीक हुए 75 वर्षीय बुजुर्ग को नया जीवन दिया है। रेचिंग (बहुत ज्यादा उबकाई आने व उल्टी होने) के कारण वह फूड पाइप रप्चर का शिकार हो गए थे यानी उनकी खाने की नली फट गई थी। डॉक्टरों ने कोई चीरा लगाए बिना एंडोस्कोपिक तरीके से उनकी फूड पाइप को रिपेयर करने में सफलता पाई है।

बुखार, सांस लेने में परेशानी के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्होंने 15 दिनों तक कई अलग-अलग अस्पतालों के चक्कर लगाए। इस दौरान उनका न्यूमोनिया एवं फेफड़ों में पानी भरने का इलाज किया गया।

बाद में गंभीर हालत में उन्हें नानावटी मैक्स हॉस्पिटल की इमर्जेंसी में लाया गया। अचानक आई उबकाई के बाद से उनकी सांस बहुत ज्यादा फूलने लगी थी। डॉक्टरों ने अनुमान लगाया कि उबकाई के कारण फूड पाइप पर बहुत दबाव पड़ने से उनकी खाने की नली फट गई है। सीने की स्कैनिंग में इस बात की पुष्टि भी हो गई। वह बोरहावेज सिंड्रोम का शिकार हो गए हैं। खाने की नली फटने के कारण बनी आपात स्थिति को बोरहावेज सिंड्रोम कहा जाता है।

नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एसोसिएट डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन डॉ. हर्षद लिमये ने कहा, आमतौर पर उबकाई के कारण इसोफेगस (खाने की नली) के फटने की स्थिति को बोरहावेज सिंड्रोम कहा जाता है। सर्जिकल इमर्जेंसी के कारण इसे जानलेवा माना जाता है। इस समस्या के शिकार ज्यादातर लोगों की जान नहीं बच पाती है। अगर इसके इलाज में देरी हो तो ओपन-चेस्ट इसोफेगेक्टॉमी करनी पड़ती है, जिसमें बहुत खतरा रहता है। संक्रमित फ्लूड चेस्ट कैविटी में लीक होने से संक्रमण का खतरा रहता है। साथ ही मरीज को पहले पेट का कैंसर भी रह चुका था। इसे देखते हुए टीम ने बिना चीरे वाली सर्जरी करने का फैसला लिया।

नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड फ्लेक्सिबल एंडोस्कोपिक सर्जरी के डायरेक्टर डॉ. गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में इस एंडोस्कोपिक सर्जरी को अंजाम दिया गया। इस इलाज को लेकर डॉ. पाटिल ने कहा, ह्यहमने लोवर इसोफेगस में एंडोस्कोप डालकर पाइप में फटी हुई जगह का पता लगाया। यह एक अंगुली के बराबर था। विशेष मेडिकल धागे एवं सूई की मदद से हमने एक इंट्रा-ल्यूमिनल स्टिच लाइन तैयार की, जिससे उस जगह को ठीक किया जा सका। यह सब कुछ एंडोस्कोपिक तरीके से ही किया गया, जिसमें मुंह के रास्ते से शरीर में मेडिकल उपकरण पहुंचाए गए थे। इस तरह की सर्जरी दुर्लभ होती है, क्योंकि गैस्ट्रिक एसिड और लगातार लार गटकने के कारण सर्जरी बहुत जटिल हो जाती है। इसका प्रभाव तुरंत देखने को मिला। सीने की ओर हो रहा रिसाव रुक गया, इन्फेक्शन मार्कर गिरने लगे और अगले दिन से ही मरीज ने घूंट-घूंट कर पानी पीना शुरू कर दिया। 48 घंटे के अंदर मरीज ने खाना शुरू कर दिया, एक हफ्ते में चेस्ट ट्यूब को निकाल दिया गया और कोई चीरा लगाए बिना मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वास्थ्य विभाग में गजब का फर्जीवाड़ा

एक व्यक्ति के नाम पर 6 अलग-अलग जिलों में नौकरी, 2016 से ही ले रहे सभी वेतन

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य विभाग में गजब का फजीर्वाड़ा सामने आया है। एक ही नाम पर 6 अलग-अलग जिलों में 6 अलग-अलग लोग नौकरी करते मिले। हालांकि आधार कॉर्ड नंबर सबका अलग-अलग है। सभी के पिता का नाम समान है और तो और 2016 से ही सभी वेतन भी ले रहे हैं। इसका खुलासा आरटीआई से हुआ, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। अब तक सामने आया है कि स्वास्थ्य विभाग में एक एक्स-रे टेक्नीशियन के नाम का कुल 6 लोगों ने इस्तेमाल किया और कूटरचित दस्तावेज लगाए। सभी 6 को आरोपी बनाते हुए निदेशक पैरामेडिकल डॉ. रंजना खरे ने सोमवार को वजीरगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। एफआईआर में कूटरचित दस्तावेजों के जरिए नौकरी हासिल करने और विभाग को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। क्या है एफआईआर में निदेशक पैरामेडिकल डॉ. रंजना खरे की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर में कहा गया है कि स्वास्थ्य विभाग में एक्स-रे टेक्नीशियन भर्ती-2016 में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 403 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया था और इसकी सूची उपलब्ध कराई थी। सूची में क्रमांक सख्या 80 पर अर्पित सिंह, पुत्र अनिल कुमार सिंह के नाम से फर्जी कूटरचित प्रपत्र तैयार किए और विभिन्न जनपदों में नियुक्ति प्राप्त कर ली गई। किन पर मुकदमाः आरोपियों में पहला व्यक्ति बलरामपुर में तैनात अर्पित सिंह, पुत्र अनिल कुमार सिंह, निवासी मोहल्ला प्रतापनगर, पोस्ट शाहगंज, आगरा है। इसी नाम और पते वाला दूसरा फरुर्खाबाद का, तीसरा रामपुर का, चौथा व्यक्ति बांदा व पांचवां अमरोहा में तैनात निवासी ग्राम नगला खुमानी, पोस्ट कुरावली, मैनपुरी है। छठवां व्यक्ति शामली में तैनात है और आगरा का है। एफआईआर में कहा गया है कि इन सभी व्यक्तियों द्वारा फर्जी एवं कूटरचित प्रपत्रों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त कर ली गई व 2016 से स्वास्थ्य विभाग से वेतन प्राप्त कर विभाग को आर्थिक क्षति पहुंचाई गई है। अतः इस मामले में एफआईआर दर्ज कर उचित कार्यवाही की जाए।इस प्रकरण के खुलासे के बाद महकमे में हड़कंप मचा है। यह कैसे संभव हुआ, इसकी जांच की जानी है, पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस के साथ मुठभेड़ में आरोपी को लगी गोली, गिरफ्तार

जलालपुर पुलिस व एसओजी/ स्वाट टीम को मिली सफलता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर अन्तर्गत थाना जलालपुर पुलिस व एसओजी/स्वाट टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में 01 आरोपी को लगी गोली, घायल/गिरफ्तार, कब्जे से तमंचा कारतूस बरामद। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 10.09.2025 को प्रभारी निरीक्षक जलालपुर मय हमराह के देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति में त्रिलोचन बाजार में बने पुलिस बूथ पर मौजूद थे, कि उसी समय एसओजी टीम प्रभारी उ0नि0 प्रवीण यादव मय हमराह आ गये। पुलिस टीम आपस में अपराध एवं अपराधियों के विषय में बातचीत कर रही थी। प्रवीण यादव, एसओजी प्रभारी द्वारा बताया गया कि मेरी एक टीम आरोपी की तलाश में घोसाव धरांव के तरफ उ0नि0 तरुण श्रीवास्तव के नेतृत्व गयी हुई है। इसी समय मुखबीर खास द्वारा बताया गया कि अखिलेश यादव उर्फ नेता जो आपके मुकदमे में वाँछित चल रहा है। ककोरी, खालिसपुर की तरफ से नहर रोड पकड कर पैदल आ रहा है। हाईवे से कोई साधन पकडकर बनारस की तरफ जाने वाला है। पुलिस टीम मुखबिर की सूचना को जरिए दूरभाष तरुण श्रीवास्तव के नेतृत्व वाली एसओजी टीम को अवगत कराया गया, कि आप लोग त्रिलोचन महादेव की तरफ आइए। पुलिस टीम मुखबिर के साथ ककोरी नहर पुलिया हाईवे पर पहुची तथा हाईवे के किनारे झाडी के आड में आने वाले व्यक्ति का इन्तजार करने लगे कि कुछ देर बाद एक व्यक्ति ककोरी खालिसपुर की तरफ से नहर पटरी रोड पकडकर हाईवे की तरफ पैदल आते हुए दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम द्वारा रुकने का इशारा किया गया तो पुलिस टीम को देखकर पीछे मुडकर भागने लगा तब तक ककोरी की तरफ से एसओजी की दूसरी टीम नहर पटरी पकडकर आ रही थी। भाग रहा व्यक्ति पुलिस से घिरा देखकर नहर पटरी पर ही एक झाडी छिप कर जान से मारने की नियत से लक्ष्य बनाकर पुलिस टीम पर फायर करने लगा। पुलिस टीम द्वारा आत्मसमपर्ण हेतु कहा गया परन्तु नही माना। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा फायर किया गया जिससे बदमाश को गोली लगा वह घायल हो गया। घायल बदमाश की जामा तलाशी ली गई तो उसने अपना नाम अखिलेश यादव उर्फ नेता पुत्र स्व0 देवचन्द यादव निवासी कुसरना महादेवा थाना केराकत जनपद जौनपुर बताया, उसके पास से एक देशी तमंचा मय खोखा कारतूस बरामद हुआ। है।

पूछताछ पर बताया कि दिनांक 05.09.2025 को मै अपने साथी सूरज यादव उर्फ गोलू के साथ डिंगूरपुर क्रासिंग के तरफ से त्रिलोचन बाजार की तरफ जा रहा था कि त्रिलोचन बाजार के तरफ से कुछ दूर पहले ही नहर रोड पर पुलिस से मुठभेड हो गया था जिसमे मै मौके से पुलिस पर फायर करते हुए भाग गया था तथा मेरा साथी सूरज उर्फ गोलू पकडा गया था। मैने इसी असलहे से उस दिन पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग किया था, आज भी मैने इसी असलहे से आप लोगों पर फायर किया है। घायल बदमाश को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार बरामदगी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी का विवरण,अखिलेश यादव उर्फ नेता पुत्र स्व0 देवचन्द यादव निवासी कुसरना महादेवा थाना केराकत जनपद जौनपुर। गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास मु0अ0सं0 18/18 धारा 3(1) उ0प्र0 गैगेस्टर एक्ट थना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 361/20 धारा 307 भादवि थाना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 73/21 धारा 307/420/467/468/471 भादवि थाना चन्दवक जौनपुर। मु0अ0सं0 91/21 धारा 307 भादवि थाना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 61/21 धारा 380 भादवि थाना चन्दवक जौनपुर। मु0अ0सं0 126/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना चन्दवक जौनपुर। मु0अ0सं0 360/20 धारा 399/402 भादवि थाना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 1497/17धारा 3/25 आर्म्स एक्टा थाना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 1129/17 धारा 60/63/72 आबकारी अधि0 व 353/419/420/467/468/471 भादवि मु0अ0सं0 799/17 धारा 60/63/72 आबकारी अधि0 व 353/419/420/467/468/471 भादवि थाना केराकत जौनपुर। मु0अ0सं0 48/23 धारा 386/ भादवि थाना चन्दवक जौनपुर। मु0अ0सं0 49/23 धारा 386 भादवि थाना चन्दवक जौनपुर। मु0अ0सं0 76/11 धारा 392 भादवि थाना देवगांव आजमगढ। मु0अ0सं0 462/13 धारा 392/411 भादवि थाना देवगांव आजमगढ। मु0अ0सं0 68/14 धारा 394/411 भीदवि थाना मेहनाजपुर आजमगढ। मु0अ0सं0 306/25 धारा 109(1) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जलालपुर जनपद जौनपुर। मु0अ0सं0 319/25 धारा 109(1)बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जलालपुर जौनपुर। बरामदगी का विवरण, एक तमन्चा, 02 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर व नगद 430 रुपये।

खुद का घर तालाब पर, दूसरे के खिलाफ हाईकोर्ट में दाखिल कर दी जनहित याचिका, कार्रवाई का आदेश

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। दूसरों के खिलाफ अतिक्रमण की शिकायत लेकर जनहित याचिका दाखिल करने वाला याची खुद ही जाल में फंस गया। कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में याचिकाकर्ता स्वयं तालाब की भूमि पर अतिक्रमण का दोषी पाया गया। कोर्ट ने इस मामले में न सिर्फ अवैध अतिक्रमण पर कार्रवाई का निर्देश दिया बल्कि गलत रिपोर्ट देने वाले राजस्व अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जानकारी मांग ली है। प्रयागराज के हंडिया निवासी ओमराज ने की जनहित याचिका पर न्यायमूर्ति अरुण सिंह देशवाल ने सुनवाई की।

ओमराज ने लालमणि पटेल के खिलाफ याचिका दायर कर आरोप लगाया कि उनका घर सरकारी जमीन पर बना है।ओमराज ने 2022 में तहसीलदार द्वारा दिए गए बेदखली के आदेश का पालन कराने की मांग की थी।लालमणि पटेल के वकील आशुतोष शुक्ला ने कोर्ट में बताया कि तहसीलदार का बेदखली आदेश गलत था।इस पर कोर्ट ने फिर से जांच के आदेश दिए, 21 अगस्त 2025 को तहसीलदार हंडिया ने हाईकोर्ट में एक हलफनामा दायर कर बताया कि जब जमीन की दोबारा जांच की गई तो पता चला कि तालाब की जमीन पर लालमणि पटेल का नहीं है, बल्कि याचिकाकर्ता ओमराज का मकान बना है।कोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जब लालमणि ने कोई अतिक्रमण नहीं किया था, तब भी उसके खिलाफ बेदखली का आदेश कैसे पारित किया गया। यह अधिकारियों की मनमानी को दशार्ता है। कोर्ट ने अतिक्रमण की गलत रिपोर्ट देने वाले लेखपाल दिलीप कुमार और राजस्व निरीक्षक गया प्रसाद कुशवाहा के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अतिक्रमण को हटाने के लिए उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के तहत कार्यवाही करने का भी निर्देश दिया है।

जेब्रा नवम् सर्वधर्म सामूहिक विवाह 14 दिसम्बर को

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामूहिक विवाह शर्म नहीं स्वाभिमान है, इसी ध्येय के साथ पूर्वांचल की ख्यातिलब्ध रचनात्मक एवं सामाजिक संस्था 'जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट' विगत तीन दशकों से समाज में दहेज रहित आदर्श विवाह को प्रोत्साहन देने के लिए सर्वधर्म सामूहिक विवाह का आयोजन करती आ रही है। इसी क्रम में सरल सुगम प्रक्रिया ० एक ही छत के नीचे पूर्णतः गरिमापूर्ण परिवेश में संस्था ने नवम् सर्वधर्म सामूहिक विवाह आगामी 14 दिसम्बर 2025, रविवार स्थानीय मोहम्मद हसन स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर के प्रांगण में आयोजित किया है। उक्त सन्दर्भ में जेब्रा' अध्यक्ष संजय कुमार सेठ ने बताया है कि दहेज भले ही तीन अक्षर का छोटा सा शब्द है किन्तु दहेज दानव का पंजा उतना ही विशाल है। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए सामूहिक शक्ति से प्रयास करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में समाज के सभी धर्मों और जातियों के युवक-युवतियां सम्मिलित हो सकते हैं। समस्त जोड़े सम्पूर्ण वैदिक विधि-विधान एवं अपने अपने रीति-रिवाजों और बिना ऊँच-नीच के भेद-भाव के बिना दाम्पत्य सूत्र में आबद्ध होंगे। ऐसे युगल जोड़ों को सामाजिक संरक्षण ० प्रतिष्ठा तो प्रदान किया ही जाएगा साथ ही गृहस्थ जीवन के दैनिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले सामान भी संस्था उपहार के तौर पर देगी।

इस सर्वधर्म सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सहभागी बनने के इच्छुक जोड़ों के माता-पिता एवं अभिभावक संस्था के जिला मुख्यालय सहित जिले की समस्त तहसीलों में स्थापित केंद्रों से जानकारी प्राप्त कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

रेलवे की बैटरी चोरी करने वाले चार धराये, बैटरी और प्लेट बरामद

विलम्ब से ट्रेनें हुई रवाना, आरपीएफ पुलिस ने 24 घण्टे में मामले का किया खुलासा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रेलवे संयंत्रो से छेड़छाड़ और रेलवे की संपत्ति की चोरी करने वाले आखिर आरपीएफ के हत्थे चढ़ ही गए और रेलवे पुलिस ने 24 घण्टे के पूरे मामले का पदार्फाश करते हुए चोरी गए सामान के साथ चोरों को भी दबोचते हुए जेल भेज दिया।

बताया जाता है की मंगलवार को शाहगंज जंक्शन के आउटर पर लगे रिले हट को खोलकर अज्ञात चोरों ने हट में लगे आठ बैटरी को खोलकर निकाल ले गए।जिससे रेलवे सिग्नल भी फेल हो गए थे।जिस वजह से लगभग चार ट्रेनें कुछ रेलवे स्टेशन पर तो कुछ आउटर पर खड़ी रही।जो काफी विलम्ब से सब ठीक होने के बाद रवाना हुई थी।

जानकारी होने पर आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दिवाकर ने मामले की तहकीकात शुरू की।और एक टीम बनाकर जिसमे प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दिवाकर उप निरीक्षक जेपी बहुगुणा,स्टेबल जनार्दन यादव को मुखबिर खास से सूचना मिली की रेलवे से चोरी गयी बैटरी नगर के एक कबाड़ के दुकान पर देखी गयी है।

सूचना मिलने हरकत में आई रेलवे पुलिस ने तत्काल नगर के नोन हट्टा बारादरी रोड इराकियाना स्थित एक कबाड़ी की दुकान पर छापेमारी कर दुकानदार 44 वर्षीय मानसिंह पुत्र मुन्ना लाल निवासी बहौना पोस्ट सराय मोहिद्दीनपुर थाना सरपतहां को गिरफ्तार कर लिया और तलाशी के दौरान 10 अदद बैटरी और प्लेट कुल वजन लगभग 44 किलो ग्राम जिसका अनुमानित मूल्य 30000 हजार बरामद हुई।

चोरी में संलिप्त तीन अन्य भी गिरफ्तार: आरपीएफ पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर मानसिंह ने तीन अन्य का भी नाम बताया जिसे रेलवे पुलिस ने कबाड़ी दुकानदार 24 वर्षीय दीपांशु यादव उर्फ छोटू पुत्र सुरेश यादव निवासी नई आबादी थाना शाहगंज को भी गिरफ्तार किया गया।जिससे पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसने दो युवकों का नाम बताते हुए कहा की ये अक्सर सामान बेचने आते थे।दीपांशु यादव द्वारा बताए गए युवकों 22 वर्षीय राजन पुत्र बालकनाथ शाहगंज जौनपुर एवं 19 वर्षीय करन उर्फ विजय पुत्र जोगेंद्र शाहगंज जनपद जौनपुर को भी दीपांशु की निशान दही करने पर बीती रात्रि शाहगंज जंक्शन के सामने पानी के टँकी के नीचे से गिरफ्तार कर लिया गया।

वहीं इस सम्बंध में पूछे जाने पर आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार दिवाकर ने कहा की 9 सितम्बर चोरी के घटना के बाद से ही आरपीएफ पुलिस टीम अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए बिना खाएं पियेऔर बिना सोये लगे हुए थे।जिसका परिणाम निकला की चोर और उसमें संलिप्त चार युवकों को गिरफ्तार भी किया गया और चोरी गए बैट्री भी बरामद किया गया।एवं रेलवे एक्ट की सुसंगत धाराओ में मुकदमा दर्ज अभियुक्तों को चालान न्यायालय भेज दिया गया।

अध्यक्ष विनय जायसवाल ने पशु चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश सचिव एवं जिला अध्यक्ष विनय जायसवाल के द्वारा जनपद जौनपुर के पशु चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमे यह पाया गया कि पर्याप्त मात्रा में पशुओं के लिए दवाएँ उपलब्ध नहीं है। दवाएँ बाहर से लिखी जा रही है, और पशु पालक बाहर से दवाइयां खरीदने पर मजबूर हैं। इस विषय पर विनय जायसवाल जी ने गहरी नाराजगी जताई और उन्होंने कहा कि हर चिकित्सालय में अल्ट्रासाउंड मशीन, एक्स-रे मशीन, एनेस्थीसिया मशीन, मॉनिटर, इन्फ्यूजन पंप, और स्टेथोस्कोप जैसी मशीनें उपलब्ध होनी चाहिए ताकि पशुओं के रोग का निदान और उपचार प्रभावी ढंग से किया जा सके। इसके अलावा, डायग्नोस्टिक के लिए सेंट्रीफ्यूज, ऑटोक्लेव, और विभिन्न प्रकार के प्रोब भी जरूरी हैं।

संदिग्ध युवक को पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर क्षेत्र के कुरनी(चेरई का पूरा) गांव में मंगलवार की रात एक युवक की चोर समझकर पिटाई करने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सौंप दिया । युवक ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी से विवाद के बाद घर से भाग निकला और भटक कर उक्त स्थान पर पहुंच गया है।पुलिस ने युवक के परिजनों को थाने पर बुलाया है। मंगलवार की रात 11 बजे एक युवक कुरनी (चेरई का पूरा)यादव बस्ती में टहल रहा था। जिसे ग्रामीणों ने चोर समझ दौड़ा लिया। युवक वहां से भागकर जौनपुर रॉय बरेली हाईवे पर स्थित तृषा डेरी के बाद छाछो गांव की ओर भागा। पीछा कर रहे ग्रामीणों ने दौड़ाकर छाछों गांव स्थित आशीर्वाद पेट्रोल पंप के पास पकड़ लिया। ग्रामीणों की भीड़ युवक को चोर समझ कर पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद जिम्मेदार लोगों ने बीच बचाव कर युवक को बचाया। घटना की सूचना पर पहुंची सिकरारा पुलिस युवक को हिरासत में लेकर थाने आई। थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने बताया है कि युवक ने पूछताछ में अपना नाम हिमालय कुमार निवासी गांव सेमनिया थाना गंभीरपुर जिला आजमगढ़ बताया है। हिरासत में लिए गए युवक के परिजनों ने फोन पर हुई बातचीत में थानाध्यक्ष को बताया कि पत्नी से विवाद होने के बाद उक्त घर से निकल गया था और एक वाहन पर सवार होकर बहक कर उक्त स्थान पर पहुंच गया। युवक के परिजन थाने के लिए रवाना हो गए है।उसके संबंध में जांच पड़ताल जारी है।

सोनभद्र में दिल दहला देने वाला हादसा

कूलर के करंट ने ली दादी-पोते की जान, गांव में पसरा मातम

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के बढ़ौली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक चार साल के मासूम और उसकी दादी की कूलर में फैले करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को पल भर में मातम में डुबो दिया है।

कैसे हुआ यह दुखद हादसा: गांव के निवासी आनंद चौबे का चार साल का बेटा ध्रुव अपने घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते-खेलते उसका हाथ गलती से कूलर की बॉडी से छू गया, जिसमें करंट उतर आया था। मासूम ध्रुव को करंट की चपेट में तड़पता देख, उसकी बड़ी मां नीता देवी (40) उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ीं। ममता की दौड़ में उन्होंने बिना सोचे-समझे ध्रुव को बचाने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्यवश, वह भी करंट की चपेट में आ गईं. यह दुखद पल था जब दादी और पोते, दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. जब तक परिवार वाले कूलर का स्विच बंद करते तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़: यह खबर सुनते ही पूरा परिवार सदमे में आ गया। आनंद चौबे का इकलौता बेटा ध्रुव अब इस दुनिया में नहीं रहा। वहीं, नीता देवी अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गईं जो अभी बहुत छोटे हैं।इस दुखद घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। हर कोई इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध है। यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि एक ममता के बलिदान और एक मासूम जिंदगी के अंत की कहानी है। इस घटना ने एक बार फिर से बिजली उपकरणों के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की जरूरत को उजागर किया है।

जौनपुर में चोरों का आतंक, आभूषण सहित लाखों की नगदी किया पार

पीड़ित परिवार ने पुलिस को चोरी की लिखित सूचना देकर लगाई गुहार

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामधनी पाल पुत्र कड़ेददीन पाल निवासी गहरपारा सुजानगंज के घर में मध्य रात 12ः बजे से 1:00 बजे के बीच चोरों ने घर का 13 ताला तोड़कर घर के अंदर घुस कर एक लाख रुपए नगद और लगभग 10लाख का आभूषण उठा ले गए । सुबह जागने पर परिजनों को जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस पहुंच कर घटना की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। पीड़ित परिवार ने बताया कि 30 नवम्बर को घर में लड़की की शादी पड़ी हुई हैं। शादी की तैयारी चल रही थी। भीषण चोरी की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। उसी रात में चोरों ने नेवादा गांव सुजानगंज निवासी महेंद्र गौतम पुत्र गिरिजा शंकर के घर को निशाना बनाते हुए 3 लाख के आभूषण 2 लाख नगद और अन्य सामान उठा ले गए। पीड़ित परिवार ने बताया कि चोर सीढ़ी के सहारे छत से उतर कर घर का ताला तोड़कर घर में घुसकर सब कीमती सामान उठा ले गए। सुबह जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। पीड़ित परिवार के लिखित तहरीर पर पुलिस घटना की छानबीन में जुटी हुई है। एक? दिन एक ही रात में दो अलग-अलग गांवों के दो परिवारों में इस भीषण चोरी से ग्रामीण दहशत मे हैं । इस संदर्भ में थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है। अपराधियों को बक्शा नहीं जाएगा।

विधायक पंकज पटेल ने दिलाया न्याय का भरोसा

गरीब मजदूर को 4 करोड़ का नोटिस, विधायक ने जीएसटी अधिकारी से की बात

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के धौरहरा निवासी मजदूर रोहित कुमार सरोज को जीएसटी विभाग से 4 करोड़ 42 लाख 4 हजार 400 रुपये का नोटिस मिलने के बाद विधायक पंकज पटेल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। रोहित कुमार सरोज ने विधायक को बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके आधार कार्ड और पैन कार्ड का दुरुपयोग कर 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपये का टर्नओवर किया गया है, जिससे उसका कोई लेना-देना नहीं है। बताते चलें कि रोहित कुमार सरोज एक गरीब मजदूर है, जो दिनभर मेहनत कर ?200- से 300 कमा पाता है उसके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि वह अपने बच्चों को ठीक से पढ़ा-लिखा भी नहीं पा रहा है। ऐसे में 4 करोड़ का नोटिस मिलना उसके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है।विधायक पंकज पटेल ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया और जीएसटी अधिकारी जौनपुर से बातचीत कर मामले के जल्द निस्तारण की मांग की। विधायक ने कहा कि यह बहुत ही गरीब परिवार है और जालसाजों द्वारा रोहित सरोज का आधार और पैन कार्ड दुरुपयोग कर उन्हें फंसाया गया है।विधायक की पहल पर जीएसटी अधिकारी ने मामले की जांच करने और जल्द से जल्द निस्तारण करने का आश्वासन दिया है।

मुंगराबादशाहपुर में दो दिवसीय बारावफात सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर में दो दिवसीय जश्ने ईद उल मिलादुन्नबी(बारावफात) का दो दिवसीय आयोजन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें पहले दिन नातिया कलाम पेश किया गया और दूसरे दिन एक से बढ़कर एक मॉडल दिखाया गया। जिसे देखने वालों की भीड़ देर रात तक लगी रही। देर शाम को बड़े अकीदत और खुशनुमा महौल में मनाया गया। समूचा नगर विद्युत ट्यूबलाइट, झालरों और बल्बों से सजाया गया था। प्रवेश द्वारों को नई नवेली दुल्हन की तरह से सजाकर भव्य रूप दिया गया था। बेहतरीन सजावट जलसे में शामिल अकीदत मंदों के लिए आकर्षण केंद्र बना रहा। नवी के आमद पर रंग-बिरंगे विद्युत उपकरणों की गई सजावट इस कदर से की गई थी कि मानो जलसे में नूर की बारिश हो रही है। अंजुमन चिश्तिया कमेटी कटरा में मदीना मस्जिदे नव्यू ,अंजुमन निजामिया कमेटी(मामा टंकी मछली शहर रोड) मक्का मदीना मॉडल, अंजुमन नूरी साहबगंज पुरानी सब्जी में मस्जिदें अक्शा, मस्जिदें दुबई, अंजुमन दीनी मच्छर गली में फलस्तीन, किबलकए अव्ल लगाया गया था। जिसे देखने वालों की भीड़ देर रात तक लगी रही। वहीं स्थान-स्थान पर बने शानदार एवं आकर्षक प्रवेश द्वारों पर ध्वनि प्रसारण यंत्रों से प्रसारित नवी-नवी से पूरा कस्बा नवीमय हो गया। चांद बादशाह पुरीद्धारा चांद है मदीने का,अर्स का तारा है,जो कुरान लाया है वो नवी हमारा है।

नहर में पानी न आने से किसान परेशान

आफताब आलम

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत नहर शारदा सहायक खण्ड 36माइनर सोंगर जो कलापुर बड़ी नहर से निकलती है। बिस्वा, दिदखोरा, तरसावा, गुरैनी, मानीकलाँ, भुडकुडहा, सन्दहा, बरंगी, झासेपुर सेखुपुर, भदैनी, अमरेथुवा, मवई, सोंगर आदि।

दर्जनो गांव मे इस नहर से किसान खेतो की सिचाई करते थे जो कि नहर मे पानी न आने से धान की रोपाई से लेकर तमाम परेशानियों सामना करना पड़ता है। अब तक मानीकलाँ रेलवे लाइन केपूरब साइड नहर मे पानी जमीन से एक फिट के उपर नही आया है जो भी धान की रोपाई व भराई हुआ है इश्वर की बरसात से य किसान के अपने धन से कुछ किसान डीजल डालकर इंजन चलाकर खेत की भराई कर रहे है। कुछ गरीब किसान बारिश का य नहर का इंतेजार कर रहे है। इस नहर से सैकड़ो किसानो के खेतो की भराई का सिर्फ एक ही साधन है। कही कही नहर की सफाई भी नही हुई है, जिसकी वजह से पानी आगे जाने में दिक्कत आ रही है। ग्रामीण किसानों ने यह मांग की जीयालाल बिन्द, फैजान अहमद, राजेश कुमार गुप्त, इरफान अहमद, कन्हैया लाल गुप्त, जमशेद अहमद, साहब लाल, ग्यासुद्दीन, संजय चौरसिया, ओमप्रकाश चौहान आदि दर्जनो किसान ने शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के माग की गयी है।

आरएमसी प्लांट नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा: परिवहन मंत्री

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर क्षेत्र के स्थानीय निवासियों ने घोड़बंदर गाँव में स्थित आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट को तुरंत बंद करने की माँग की है, क्योंकि इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। इस संबंध में, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के संरक्षक मंत्री माननीय श्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आरएमसी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट को तुरंत बंद करने की माँग की है।इस संबंध में मंत्री सरनाईक ने कहा कि आरएमसी प्लांट से निकलने वाले धुएँ, धूल और शोर के कारण क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को परेशानी हो रही है। श्वसन संबंधी बीमारियाँ, अस्थमा और एलर्जी काफी बढ़ गई हैं, और स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हैं। ऐसी भी शिकायतें मिली हैं कि इस प्लांट से कृषि भूमि को नुकसान हो रहा है, भूजल और मिट्टी प्रदूषित हो रही है। पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हमारी ज़िम्मेदारी है। मैंने पर्यावरण मंत्री माननीय पंकजाताई मुंडे को एक आधिकारिक पत्र दिया है कि वे नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाले और पर्यावरण के लिए हानिकारक आरएमसी प्लांट को तुरंत बंद करने के लिए कार्रवाई करें। नागरिकों के जीवन से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

रफ़्तार का कहर: गैस टैंकर से कुचलकर बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। फतेहगंज बाजार में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। रात करीब 11 बजे मछलीशहर की ओर से आ रहा तेज रफ्तार गैस टैंकर अचानक एक बाइक सवार को रौंदता हुआ निकल गया। जोरदार टक्कर में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद पीछे आ रहे पिकअप वाहन के चालक अनिल कुमार (स्थानीय निवासी) ने साहस दिखाते हुए टैंकर को रोकने की कोशिश की। लेकिन तभी घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने उनकी पिकअप पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। हमले में अनिल कुमार घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस अफरातफरी के बीच गैस टैंकर चालक मौका पाकर फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। पुलिस अब फरार चालक की तलाश में जुट गई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्रवासियों में गहरा आक्रोश है। लोग सड़कों पर बढ़ती लापरवाह रफ्तार और प्रशासनिक ढिलाई को जिम्मेदार ठहराते हुए नाराजगी जता रहे हैं।

पूजा महासमिति न्यास का हुआ गठन: पूजा कमेटियों के पदाधिकारी मतदान कर चुनेंगे महासमिति का अध्यक्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर महासमिति न्यास का गठन होने के साथ ही अध्यक्ष पद के लिए होने वाला विवाद खत्म हो गया है।नए नियम के अनुसार मेला कमेटी के अध्यक्ष और महामंत्री महासमिति के अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करेंगे बाकी न्यास के सदस्य मतदान में भाग नहीं लेगे। न्यास समिति का गठन कर महासमिति के अध्यक्ष के पद पर चयन को लेकर वर्षों से हो रहे विवाद को महासमिति के संस्थापक दिनेश चंद्र सिन्हा द्वारा पूर्ण विराम लगा दिया है। मुख्य न्यासी दिनेश चंद्र सिन्हा ने बताया कि यह बायलाज बिल्कुल साफ नियत से विवाद रहित बनाया गया है।महासमिति अध्यक्ष का चुनाव हो इस लिहाज से इस न्यास का गठन किया गया है।न्यास का कोई सदस्य चुनाव में वोट नहीं करेगा। मेला कमेटी , दुर्गा पूजा समिति, गणेश पूजा समिति, सजावट कमेटी के अध्यक्ष और महामंत्री ही महासमिति के अध्यक्ष पद पर वोट करेगे। इस न्यास में कुल 20 पदाधिकारी व सदस्य है।महासमिति के सचिव राज कुमार पटवा ने बताया गया कि उक्त बायलाज में महासमिति के अधिकार कर्तव्य,चुनाव की पद्धति चुनाव का समय ,कार्यकाल सब का विस्तृत विवरण है। वही उपाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि इस बायलाज के अनुसार महासमिति के अध्यक्ष का कार्यकाल 2 वर्षों का होगा । एक बार अध्यक्ष चुने जाने के बाद दोबारा वह अथवा उसके परिवार का कोई सदस्य 2 वर्ष बाद ही इस पद पर नामांकन कर पाएगा।संरक्षक टीम में पवन गुप्ता,लालबहादुर सोनी ,भोला शंकर श्रीवास्तव ,जीवन लाल अग्रहरि ,राकेश जायसवाल ,हरिशंकर मोदनवाल,शिरीष कुमार ऊमर वैश्य को शामिल किया गया है।

युवा संकल्प लें तभी विकसित भारत में उत्तर प्रदेश का होगा अहम योगदान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट सभागार में समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश @2047 विषयक संवाद एवं विचार कार्यशाला का आयोजन किया गया। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी राजकुमार विश्वकर्मा ने युवाओं को उत्तर प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आह्वान करते हुए कहा, ₹यदि युवा संकल्प लें, तो उत्तर प्रदेश विकसित भारत में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।₹ उन्होंने जौनपुर में नये उद्योगों की स्थापना हेतु विद्यार्थियों के सुझाव को अपने रिपोर्ट में शामिल करने की बात की । कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अपने संबोधन में युवाओं को रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। उन्होंने कहा कि युवा अपने स्वास्थ्य का विशेष रूप से ध्यान रखे. आगे के बढ़ने किये स्वास्थ्य का सही होना बहुत जरुरी है। कार्यशाला का शुभारंभ शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी एवं सचिव, मानवाधिकार आयोग के. धनलक्ष्मी, सेवानिवृत्त आईपीएस प्रमोद कुमार, पूर्व प्रोफेसर धरनीधर दूबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कन्नौजिया, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, सहित अन्य गणमान्यजनों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। इसके उपरांत विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण पीपीटी के माध्यम से किया गया। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रदेश स्तरीय समन्वय सब-जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता आगरा में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कुश्ती संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय खेल समन्वय सब-जूनियर बालक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 04 से 06 अक्टूबर, 2025 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम आगरा में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब-जूनियर बालक कुश्ती खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 16 सितम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित कुश्ती खिलाड़ी ही 19 सितम्बर, 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में प्रातः 10.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। सब-जूनियर बालक कुश्ती आयु 2008-09 (16-17 वर्ष) मान्य है और 2010 (15 वर्ष) वाले खिलाड़ी चिकित्सा और माता-पिता के साथ भाग ले सकते हैं। कुश्ती फ्री-स्टाईल एवं ग्रीको रोमन बालक वर्ग का वजन 45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92 तथा 110 किग्रा0 होना चाहिए।

नो पीयूसी नो फ्यूल पहल को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा: प्रताप सरनाईक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई आगे आनेवाले पीढ़ी को प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए, वर्तमान पीढ़ी को स्वयं पर कुछ पर्यावरणीय प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। इसके लिए, प्रत्येक वाहन को दिया जाने वाला प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वैध होना चाहिए। अवैध प्रमाणपत्रों के निर्माण का सिलसिला पूरी तरह से बंद हो, इसलिए भविष्य में प्रत्येक पेट्रोल पंप पर 'नो पीयूसी नो फ्यूल' पहल लागू की जानी चाहिए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने निर्देश दिए हैं। इस संबंध में, परिवहन मंत्री परिवहन आयुक्त कार्यालय में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। इस बैठक में परिवहन आयुक्त विवेक भीमनवार, संयुक्त सचिव (परिवहन) राजेंद्र होलकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सरनाईक ने कहा, राज्य के प्रत्येक पेट्रोल पंप पर ईंधन भराने आने वाले प्रत्येक वाहन के वाहन क्रमांक की सीसीटीवी कैमरे के आधार पर जांच (स्कैनिंग) की जाएगी। ताकि उसके माध्यम से संबंधित वाहन के प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र की वैधता का पता चल सके। यदि उस वाहन का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र वैध नहीं है, तो उस वाहन को ईंधन नहीं दिया जाएगा। हालांकि, उसी पेट्रोल पंप पर प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र को तुरंत वापस लेने की व्यवस्था भी की जाएगी। ताकि वाहन चालक को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। इस प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र की एक विशिष्ट पहचान (यूआईडी) होगी। इसलिए, समय-समय पर प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र की वैधता की जांच की जा सकेगी।

भविष्य में, वाहन बेचने वाले शोरूम और वाहन मरम्मत करने वाले गैरेज में भी प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने की व्यवस्था की जाएगी। ताकि सड़क पर चलने वाले हर वाहन के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र हो। इससे प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी सुझाव दिया कि परिवहन विभाग को वर्तमान में अवैध रूप से प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करने के लिए एक बड़ी कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। इसके साथ ही परिवहन मंत्री श्री सरनाईक ने बैठक में परिवहन विभाग कार्यालय में अग्नि पूर्व चेतावनी प्रणाली की स्थापना, परिवहन भवन के निर्माण आदि की भी समीक्षा की।

समाज सेवक बालेश्वर तिवारी का धूम धाम से मना जन्म दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जिला जौनपुर ब्लाक बरसेठी क्षेत्र के समाज सेवक बालेश्वर तिवारी का जन्म दिन मीरगंज स्थित पाण्डेय टायर्स में धूम धाम से मनाया गया। विश्व हिन्दू परिषद मछलीशहर प्रखंड अध्यक्ष नागेंद्र पाण्डेय ने बताया की जगह जगह समाज सेवक बालेश्वर तिवारी के चाहने वाले जन्म दिन मना रहे है। जन्म दिन मनाने वालो में ब्लॉक प्रमुख के भावी प्रत्याशी हनुमंत पाण्डेय, नागेंद्र पाण्डेय, संतोष शुक्ला, लल्लन शुक्ला, अधिवक्ता अभिषेक उपाध्याय, विनोद पाण्डेय, अमित सिंह, सुरेंद्र दुबे, फागुलाल पाण्डेय ने अपने अपने कार्यालय या बिजनेस कार्यालय पर जन्म दिन मनाया। समाज सेवक बालेश्वर तिवारी ने जन्म दिन पर अपने शुभचिंतकोको धन्यवाद व्यक्त किया।

जेप्टो ने जेप्टो संकल्प नामक एक खाद्य सुरक्षा पहल की शुरूआत की

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से बढ़ रही क्विक कॉमर्स कंपनी, जेप्टो ने अपने फूड हैंडलर्स के लिए एक जन जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में लास्ट माइल डिलीवरी पार्टनर्स और पिकर्स भी शामिल थे। यह कार्यक्रम जेप्टो संकल्प पहल के तहत आयोजित किया गया, जो जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड की एक खाद्य सुरक्षा पहल है। यह सत्र नरिमन पॉइंट स्थित यशवंतराव चव्हाण केंद्र के रंगस्वर हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें जेप्टो की मुंबई संचालन इकाई से सैकड़ों फूड हैंडलर्स ने भाग लिया। प्रशिक्षण का नेतृत्व फूड चेन आईडी इंडिया की प्रबंध निदेशक चिन्मयी देऊलगांवकर और खाद्य सुरक्षा प्रणालियों की सलाहकार, ऑडिटर एवं प्रशिक्षक सुमेधा जलगांवकर ने किया। इस दौरान जेप्टो के फूड हैंडलर्स को खाद्य सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे स्वच्छता प्रोटोकॉल, उचित खाद्य भंडारण तापमान और अनुपालन की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जागरूक किया गया, जो ग्राहकों तक आवश्यक वस्तुओं की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस पहल पर बोलते हुए जेप्टो के मुख्य परिचालन अधिकारी विकास शर्मा ने कहा, जेप्टो में विश्वास की नींव हर डिलीवरी के साथ गुणवत्ता और सुरक्षा की गारंटी पर टिकी है। हम एफएसएसएआई के आभारी हैं, जिन्होंने इस पहल को सहयोग दिया और हमारे फूड हैंडलर्स को सही ज्ञान और प्रथाओं से सशक्त बनाया। यह प्रशिक्षण हमारी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं को और मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि प्रत्येक जेप्टो यूजर को उनका ऑर्डर संभवतः सबसे सुरक्षित तरीके से प्राप्त हो। प्रीति चौधरी, आईआरएस, क्षेत्रीय निदेशक, एफएसएसएआई (पश्चिमी क्षेत्र) ने इस सत्र की शोभा बढ़ाई, जिन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए अनुपालन और सामूहिक जिम्मेदारी की महत्ता पर बल दिया, ताकि खाद्य सुरक्षा को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सके। सुश्री प्रीति चौधरी ने कहा, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और जेप्टो संकल्प कार्यक्रम जैसी पहलें नियमन और क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फूड हैंडलर्स को सही ज्ञान और प्रथाओं से सक्षम बनाकर हम सामूहिक रूप से खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहे हैं और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा कर रहे हैं।

यह प्रशिक्षण जेप्टो के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने सभी परिचालन में अनुपालन और जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने का काम कर रही है। मजबूत आंतरिक ऑडिट प्रणालियों, नियमित निरीक्षणों और नियामक प्राधिकरणों के साथ सक्रिय सहभागिता के माध्यम से जेप्टो सुनिश्चित करता है कि खाद्य सुरक्षा हर चरण पर निहित हो–चाहे वह सोर्सिंग और भंडारण हो या लास्ट माइल डिलीवरी।

जेप्टो अब तक पूरे देश में लगभग 10,000+ फूड हैंडलर्स को प्रशिक्षित कर चुका है, जिनमें से 2500+ लोग फॉस्टैक प्रमाणित हैं। यह कंपनी की क्विक कॉमर्स में सुरक्षा और विश्वास के नए मानक स्थापित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। जेप्टो संकल्प कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से जेप्टो नवाचार, अनुपालन और ग्राहक-प्रथम अनुभवों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लगातार सुदृढ़ कर रहा है, साथ ही क्विक कॉमर्स सेक्टर में खाद्य सुरक्षा मानकों के लिए नए बेंचमार्क स्थापित कर रहा है।

भाजपा के संगठनात्मक कार्यक्रम में 176 महिलाओं ने ली सदस्यता

मुंबई। संगठन को उचित गति और दिशा देने के उद्देश्य से भाजपा ने दिंडोशी विधानसभा के त्रिवेणीनगर स्थित माउली ओंकार बिल्डिंग परिसर में संगठनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सर्वसमाज की महिलाओं ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान भाजपा,मुंबई की प्रवक्ता और कार्यक्रम आयोजक रीता नीलेश सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार की ओर से चलाई जा रही जनोपयोगी योजनाओं की लोगों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश चौतरफा विकास कर रहा है। मोदी की सोच और विजन को यथार्थ में बदलना हम सबकी जिम्मेदारी है। रीता सिंह ने यह भी बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंशा है कि संगठन के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन सेवा सप्ताह के रूप में मनाएंगे। कार्यक्रम में गुजराती, राजस्थानी और उत्तरभारतीय आदि समाज की 176 महिलाओं ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ली। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रिता देवी, बनावती देवी, शालिनी शुक्ला, कुमकुम द्विवेदी, अन्नु शुक्ला, मंचन शुक्ला, पूनम शुक्ला, मनीषा मिश्रा, सारिका परब, निक्की देवी, पुनिता प्रजापति, बबली देवी, संगीता यादव, शीला सोनी, कौशल्या, कमला, गीता देवी, उर्मिला, संगीता सिंह, सुधा देवी, पूनम शर्मा, सीमा, मुन्नी सिंह, रेखा प्रजापति और सोनमति शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

जैन महामंडल का क्षमा पर्व कार्यक्रम सपन्न

मुंबई। भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच का क्षमापना एंव तपोनुमोदना कार्यक्रम मुंबई के श्री ब्रज मंडल बेंक्वेट में भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के अध्यक्ष दिपेश जैन के नेतृत्व मे क्षमापना (मिच्छामी डुक्कडम) और तप की अनुमोदनार्थ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मंच संचालक देवेन्द्र हरणेशा ने शाखा सचिव कंचन ललवाणी निर्वतमान अध्यक्ष रमेश जैन वर्तमान अध्यक्ष दिपेश जैन कार्यक्रम के मुख्य अतिथी जस्टिस के.के. तातेड (निवृत) मुख्य वक्ता विक्की सर को आंमत्रित कीया। सभी ने अपना स्थान ग्रहण कीया। नवकार मंत्र के लिए जया जैन को आंमत्रित कीया। नवकार महामंत्र के स्मरण से कार्यक्रम का शुभारंभ कीया गया। मुख्य अतिथी जस्टिस के.के. तातेड (निवृत) ने अपने संबोधन मे कहा की जैन धर्म का सबसे बडा महत्व जीव दया* का है। अपने द्वारा की गई भुलो की क्षमा मांगना सबसे कठिन काम है लेकिन जैन धर्म सिखाता है क्षमा विरस्य भुषणम। क्षमा वीरो का आभुषण है। मुख्य वक्ता विक्की सर ने तप की महत्वता समझाते हुए कहा की तप करना इतना आसान नही है। जिह्वा स्वाद छोडना बडा कठिन है। जो तप करते है वो धन्य है। जीवरासी सात लाख सुत्र के माध्यम से चौरासी लाख जीवो योनी के सभी जीवो से क्षमा मांगने का महत्व समझाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई ब्रांच के पुर्व अध्यक्षो, पदाधिकारीगणो ने अथक मेहनत की जिससे कार्यक्रम जबरदस्त सफल हुआ इसके लिए सभी अभीनदंन के पात्र है और सबकी अनुमोदना है। मुख्य अतिथी न्याय मुर्ति श्री के.के. तातेड जी (निवृत) और मुख्य वक्ता श्री विक्की जी सर ने अपना अनमोल समय निकालकर पधारे जिससे कार्यक्रम की आन बान शान बढ गई। शाखा के पुर्व अध्यक्ष मांगीलाल मेहता, मुकेश जैन, राकेश सोलंकी, राजेश गादीया, दिपीका शाह उपाध्यक्ष भारती जैन सह सचिव हितेश मेहता कोषाध्यक्ष जिनेन शाह सह कोषाध्यक्ष भावना शाह आंमत्रित सदस्य महेश संघवी, मंगलचंद सेठ, विक्की राणावत उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे शहीद सम्मान भवन का उद्घाटन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बरौली - मांझी स्टेट हाईवे में स्थानीय प्रखंड के बंगरा गांव स्थित नव निर्मित शहीद सम्मान भवन का उद्घाटन 14 सितंबर को बिहार के डिप्टी सीएम सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। इस अवसर पर माननीय सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने शहीद स्मारक ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष ई.सुगेंद्र सिंह , महाराजगंज के एसपीओ अमन कुमार, सीओ जितेंद्र कुमार पासवान, सीवान जिला पूर्वी के बीजेपी अध्यक्ष रणजीत कुमार गुप्ता,बीजेपी के जितेंद्र सिंह,महाराजगंज नगर पंचायत क्षेत्र के अध्यक्ष अमरजीत सिंह, सरपंच नागेंद्र सिंह, महाराजगंज पूर्वी मंडल के अध्यक्ष शेषनाथ सिंह,पश्चिमी मंडल के अध्यक्ष चंदन राम,बीजेपी के पातीराम सिंह , बीजेपी के दिलीप कुमार सिंह, आशीष कुमार सिंह सहित भाजपा के सभी स्थानीय कार्यकताओं ने नवनिर्मित शहीद सम्मान भवन में बैठक कर कार्यक्रम की तैयारी बैठक की। बैठक में सभी बिंदुओं पर अधिकारी व कार्यकताओं की जिम्मेदारी तय की गई। बैठक में सांसद ने आवश्यक कार्यों के लिए डीएफओ गोपालगंज, एसडीओ महाराजगंज, के अलावा अन्य पदाधिकारियों से टेलीफोनिक संपर्क कर आवश्यक जिम्मेदारियां दी। सुरक्षा की दृष्टि से 14 सितंबर को अफराद से महाराजगंज आने वाली सड़क का रूट तरवारा से करने व महाराजगंज से राम लखन चौक से मुनिया बाबा होकर व दूसरा रूट रामलखन चौक से रगड़गंज होकर वाहनों का यातायात डाइवर्ट करने का निर्णय लिया गया। बिजली व्यवस्था, पानी व्यवस्था में कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए सांबा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया।

जमाबंदी सुधार में रैयतों को जेब पर पढ़ रहा आर्थिक डंक, कागजात के लिए रैयत लगा रहे चक्कर

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में जमाबंदी सुधार का काम महाराजगंज अंचल के सभी पंचायत में युद्ध स्तर पर चल रहा है। जमाबंदी सुधार की पर्ची भू स्वामियों को थमा दी गई है। भू स्वामियों के मिले पर्ची में सरकारी कर्मियों द्वारा कहीं खाता छोड़ देने, कहीं सर्वे नंबर छोड़ देने, कहीं भू स्वामी का नाम छोड़ देने, कहीं ज्वाइंट भूस्वामियों के नाम को एक नाम पर पर्ची भेज देने, आदि त्रुटियां भू स्वामियों को महंगा पड़ रहा है। गलती भूमि से संबंधित कर्मचारी व अधिकारियों की है लेकिन इसका खामियाजा भू स्वामियों को भुगतना पड़ रहा है। इस दौरान काफी संख्या रैयतों के द्वारा जमाबंदी सुधार, बटवारे के लिये आवेदन पत्र जमा किया जाना है। कई भू स्वामियों को अबतक जमाबंदी सुधार पंजी नहीं मिल पायी है। राजस्व व भूमि सुधार जमीनी कागजात के सुधार के लिये महाअभियान चला रखा है। काफी संख्या में लोग प्रदेश से अपने कागजात सुधार के लिये गांव में पहुंच रहे हैं। क्या बोले सीओः जिन रैयतों को जमाबंदी पंजी नहीं मिल पा रहे है। वैसे रैयत रसीद के आवेदन करके कैम्प प्रभारी को आवेदन जरूर दें। उनके समस्या का समाधान किया जायेगा। बंटवारे के लिये जो फार्मेट है। उसे भरकर आवेदन करने पर बंटवारे की प्रक्रिया पूरी की जायगी।

मॉरीशस के पीएम का तीन दिवसीय काशी दौरा आज से

वाराणसी(उत्तरशक्ति) जनपद में मॉरीशस प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम तीन दिवसीय काशी प्रवास पर बुधवार शाम छह बजे बनारस आएंगे। वे यहां 11 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता में भाग लेंगे।काशी प्रवास के दौरान पीएम रामगुलाम विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन और गंगा आरती भी देखने जाएंगे। प्रशासन की ओर से दोनों प्रधानमंत्रियों के आगमन के मद्देनजर पूरी तैयारी की गई है। शहर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तो वहीं सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारी मॉरीशस के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी के मद्देनजर बनारस में डेरा जमाए हैं। एसपीजी ने मंगलवार को सभी कार्यक्रम स्थलों का जहां निरीक्षण किया वहीं सुरक्षा रिहर्सल भी किया गया। उधर, प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अपनी आठ दिवसीय भारत यात्रा पर मंगलवार को मुंबई पहुंच गए। मुंबई में उनका भव्य स्वागत किया गया।

पीएम मोदी कल आएंगे रोड-शो जैसा होगा माहौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 सितंबर की सुबह लगभग 10.40 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे। मोदी और योगी हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन आएंगे और सड़क मार्ग से ताज होटल पहुंचेंगे। पुलिस लाइन से होटल ताज के बीच भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि छह स्थानों पर पारंपरिक तरीके से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर उनका स्वागत करेंगे। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पुलिस लाइन गेट पर अभिवादन करेंगी। यात्रा मार्ग पर रोड-शो जैसा माहौल होगा। प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के पीएम के सम्मान में आयोजित दोपहर भोज की मेजबानी करेंगे। दोपहर 2:30 बजे वह पुलिस लाइन हेलीपैड से बाबतपुर एयरपोर्ट जाकर दिल्ली चले जाएंगे।

कब्जामुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं कानूनी सबक : मुख्यमंत्री

*जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

* सबकी खुशहाली सरकार का संकल्प,नहीं होने देंगे किसी के साथ अन्याय : मुख्यमंत्री

*पैसे की कमी से नहीं रुकेगा किसी का भी इलाज : सीएम योगी

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जामुक्त कराने के साथ दबंगों को कानूनी सबक सिखाया जाए। किसी जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ विधि सम्मत कड़ा एक्शन लिया जाए। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

सीएम योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जा की शिकायत पर त्वरित एक्शन लिया जाए। जमीन कब्जामुक्त होनी चाहिए पर यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न करने पाए।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए।

बच्चों का एडमिशन कराओ, स्कूल में सबकुछ फ्री है

जनता दर्शन में कुछ लोगों के साथ उनके बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनका नाम और स्कूल जाने के बारे में पूछा और अपने हाथों से चॉकलेट देते हुए खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जनता दर्शन में अपनी बच्ची के साथ आई एक महिला को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समझाया कि बच्ची का स्कूल में एडमिशन कराओ। स्कूल में सबकुछ फ्री है।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से प्युअर प्राइस ऑफर अभियान

मुंबई। भारत का विश्वासार्ह ज्वेलरी ब्रैंड और १९२ सालों की परंपरा रहे पीएनजी ज्वेलर्स एक बार फिर अपने बहुप्रतीक्षित प्युअर प्राइस ऑफर अभियान के साथ तैयार है। १ सितंबर से २१ सितंबर २०२५ इस दौरान आयोजित की जाने वाली यह योजना को आगामी त्योहारों और शादी के मौसम के दौरान सोना खरीदते समय ग्राहकों को वित्तीय सुविधा और आत्मविश्वास देने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया। सोने की कीमत में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए यह अभियान ग्राहकों के लिए एक आदर्श समाधान है। इस योजना के तहत, ग्राहकों को 1 सितंबर से 21 सितंबर 2025 तक अपने पसंदीदा सोना या हीरे के गहनों की मौजूदा दर पर प्री-बुकिंग का मौका मिलता है। यदि बाद में सोने की दर बढ़ जाती है, तो भी उन्हें पहले की कम दर का लाभ मिलता है। और यदि दर कम हो जाती है, तो पीएनजी ज्वेलर्स बिलिंग के समय कम दर को स्वीकार करके ग्राहकों को राहत प्रदान करता है। इस तरह ग्राहक हमेशा फायदे में रहता है।यह योजना सोना खरीदना आसान और अधिक सुरक्षित बनाती है, जिससे ग्राहकों का तनाव कम होता है। इसलिए ग्राहक मूल्य में उतार-चढ़ाव की चिंता किए बिना ज्वेलरी के डिजाइन चुनने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

इस अभियान के बारे में पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ कहा की,भारतीय परिवारों के लिए सोना न केवल एक निवेश है, बल्कि एक भावनात्मक और सांस्कृतिक संपत्ति भी है। प्युअर प्राइस ऑफर के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ग्राहकों को एक पारदर्शी, चिंता मुक्त और एक पुरस्कृत खरीदारी अनुभव प्रदान करना चाहते है. यह ग्राहक और पीएनजी ज्वेलर्स के बीच विश्वास का बंधन है।

भावनात्मक सहयोग से रोकी जा सकती है आत्महत्या: डॉ. ईशदत्त पांडेय

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग एवं वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह का आयोजन 10 से 16 सितम्बर 2025 तक किया जा रहा है। इस वर्ष का थीम आत्महत्या के विषय पर दृष्टिकोण और संवाद को बदलना है।विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ईशदत्त पांडेय वरिष्ठ रेजिडेंट, मनोचिकित्सा विभाग, उमा नाथ स्वायत्तशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज, जौनपुर ने कहा कि आत्महत्या केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या करने वाले व्यक्ति को 100 प्रतिशत इस कदम से रोका जा सकता है, यदि समय रहते उसका भावनात्मक सहयोग किया जाए। इसके लिए समाज को संवेदनशील बनना होगा। डॉ. पांडेय ने जोर दिया कि सकारात्मक सामाजिक तंत्र अत्यंत आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति मानसिक परेशानी में होता है, तो वह अपने करीबियों से संवाद करता है। इसलिए पारिवारिक सदस्यों को अपने बच्चों की मनोदशा की नियमित निगरानी करनी चाहिए। विभागाध्यक्ष एवं नोडल अधिकारी प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन जीने के लिए उम्मीद का होना बेहद आवश्यक है। जब व्यक्ति के भीतर आशा होती है, तो वह किसी भी मुश्किल का सामना करने में सक्षम होता है। उन्होंने कहा कि हमारे अंदर जितनी सकारात्मकता होगी, हम उतने ही मजबूत बनेंगे। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. सुनील कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी अपेक्षाओं को नियंत्रित रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग की शिक्षिका एवं परामर्श केंद्र की प्रभारी डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव ने युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए घर, समाज और संस्थानों को मिलकर कार्य करना होगा और युवाओं की मनोदशा को समय रहते समझना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मासूम बछिया की मौत, दर्जनों पशु संक्रमित

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर ग्रामीणों ने लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति) | मुफ्तीगंज ब्लॉक के भदेवरा गांव में लम्पी वायरस का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस बीमारी से भदेवरा गांव निवासी सुरेन्द्र सिंह की एक 20 दिन की बछिया की मौत हो गई है और भदेवरा गांव में दर्जनों पशु इस बीमारी की चपेट में हैं। संक्रमित पशुओं में सूजन और फोड़े के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। तेज बुखार आने के बाद पशुओं की मौत हो रही है। मनीराम और विकास श्रीवास्तव समेत कई पशुपालकों के जानवर इस बीमारी से पीड़ित हैं। स्थिति की गंभीरता के बावजूद पशु चिकित्सा विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। विभाग की निष्क्रियता से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सुरेन्द्र सिंह, मनीराम गौड जमुना प्रसाद चौबे संजय पाठक आदि ग्रामीणों के पशु बीमार है। लम्पी रोग की रोकथाम के लिए अभी तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। गांव निवासी सुरेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर विभाग के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पशु चिकित्सा अधिकारी रिचा राय से बात करने पर उन्होंने बताया कि भदेवरा गांव में संक्रमण की सूचना नहीं थी। गांव के राजभर बस्ती में टीकाकरण किया गया है। जल्द ही पूरे गांव में टीकाकरण करवाया जायेगा। ब्लाक के तीन चार गांवों में टीकाकरण हो चुका है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ यूटा का भारी हुंकार प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के जिला अध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के आदेश–जिसमें टेट को सभी शिक्षकों के लिए अनिवार्य बना दिया गया है–पर आपत्ति जताते हुए शिक्षकों ने मांग की कि 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने की बाध्यता से मुक्त रखा जाए। यूटा ने अपने ज्ञापन में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से देशभर के लगभग 30 लाख शिक्षक और उनके परिवार संकट में आ गए हैं। आदेश के मुताबिक यदि आगामी दो वर्षों में शिक्षक टेट उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। इससे उन शिक्षकों पर सीधा प्रहार होगा जिन्होंने 20अ25 वर्ष तक शिक्षा जगत को समर्पित कर दिया है। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 23(1) और 23(2) तथा आरटीई संशोधन अधिनियम 2017 के अनुसार 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट की कोई अनिवार्यता नहीं थी। यहां तक कि एनसीटीई की अधिसूचना में भी स्पष्ट उल्लेख है कि उस तिथि से पूर्व के शिक्षक टेट से मुक्त हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का आदेश शिक्षकों के हितों के प्रतिकूल है। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन प्रधानमंत्री तक पहुंचा दिया जाएगा और उनकी पीड़ा उच्च स्तर पर रखी जाएगी। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रेश यादव, जिला मंत्री लक्ष्मी नारायण तिवारी, कोषाध्यक्ष डॉ. आशीष सिंह, संयुक्त मंत्री प्रदीप कुमार सिंह, महिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा सहित सैकड़ों शिक्षक मौजूद रहे।

भाजपा नेता राणा राहुल सिंह के पिता राणा राघवेंद्र सिंह का निधन

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीबी भाजपा नेता राणा राहुल सिंह के पिता राणा राघवेंद्र सिंह (अनिल सिंह) का 2 सितंबर को निधन हो गया उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे गोरखपुर में शोक की लहर दौड़ गई। कोठा हाउस मोहद्दीपुर निवासी राघवेंद्र सिंह अत्यंत विनम्र तथा धार्मिक प्रवृति के रहे। राजनीति के साथ-साथ समाज सेवा में भी वे पूरी तरह से सक्रिय रहे। उनके परिवार के करीबी जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर निवासी विमल प्रताप सिंह ने बताया कि इनका परिवार पहले से ही बहुत प्रतिष्ठित और सम्मानित रहा। राणा राघवेंद्र सिंह नेपाल के राजराना प्रताप सिंह के भांजे थे, इसलिए नेपाल में भी उनका बहुत प्रभाव था। जौनपुर के टीडी कॉलेज में उनके सहपाठी भी रहे। विमल सिंह ने उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

संगठन के नेक विचारों से भारी संख्या में जुड़ रहे लोग: नवीन सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। करंजाकला क्षेत्र के मोलानापुर ग्राम में मंगलवार को सोनू मौर्य की देख रेख में राष्ट्रवादी नौजवान सभा की सदस्यता अभियान की कड़ी में भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रवादी नौजवान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन सिंह ने कहा रा.नौजवान सभा के नेक विचारों को लेकर लोग भारी संख्या में उत्साहित होकर जुड़ रहे हैं ऐसे में उत्साह, समर्पण, निष्ठा, अनुशासन और वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ लगातार चल रहे सदस्यता अभियान के साथ वृक्षारोपण करना संगठन के विकास के साथ पर्यावरणीय पहलू पर भी ध्यान केन्द्रित किया जाना हमें हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी बोध कराता है। पर्यावरण के संबंध में कहा आज जरूरत है पर्यावरण और सामाजिक सुरक्षा दोनों की देखभाल करने की जिसके लिए संगठन निरंतर अग्रसर है। यही सामूहिक प्रयास ही संगठन का प्राणतत्व है। इसलिए हमें हमेशा सामूहिक कार्यपद्धति की प्रक्रिया से ही सांगठनिक ढांचे का निर्माण करना चाहिए, जिसका निर्वहन संगठन की देखरेख में और संस्थापक महोदय के निर्देश के क्रम में सुचारु रूप से चल रहा है।कार्यक्रम का संचालन प्रमोद ने किया तथा इस अवसर पर डा.अब्बास, अब्दुल्ला तिवारी,सुजीत सिंह,ध्रुव सिंह आदि उपस्थित रहे।

एकम्स को मिला एअएव GMP सर्टिफिकेशन, यूरोएशियन मार्केट्स तक पहुंच हुई आसान

मुंबई। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसकी हॉर्मोनल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को यूरोएशियन इकनॉमिक यूनियन (एअएव) से जीएमपी सर्टिफिकेशन मिला है। इस सर्टिफिकेशन के बाद कंपनी को इंटरनेशनल मार्केट्स में विस्तार करने और अपनी क्वालिटी पर भरोसा और मजबूत करने का मौका मिलेगा।

एअएव क्षेत्र में हॉर्मोनल थैरेपी की डिमांड लगातार बढ़ रही है। रूस इस ग्रुप का सबसे बड़ा मार्केट है। रूस ने 2024 की पहली छमाही में 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा के कॉन्ट्रासेप्टिव सेल्स दर्ज किए। यह दिखाता है कि रेग्युलेटेड ओरल हॉर्मोनल प्रोडक्ट्स की डिमांड मजबूत बनी हुई है। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि रूस में हॉर्मोन रिप्लेसमेंट थैरेपी 2024 से 2029 के बीच करीब 6% CAGR से बढ़ेगी। वहीं मेनोपॉज-केयर ट्रीटमेंट्स 2025 से 2030 के बीच 5.5% से ज्यादा CAGR की ग्रोथ दिखाएंगे।

इस उपलब्धि पर बोलते हुए एकम्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप जैन ने कहा, हमारे हॉर्मोनल प्लांट को एअएव GMP सर्टिफिकेशन मिलना बेहद अहम है, क्योंकि इस क्षेत्र में हॉर्मोनल थैरेपी की डिमांड लगातार बढ़ रही है। हमारी सबसे बड़ी ताकत बड़े स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और उच्च क्वालिटी स्टैंडर्ड्स का सही संतुलन है। यह सर्टिफिकेशन हमें इस ग्रोथ का हिस्सा बनने का मौका देता है, जहाँ हम पूरे एअएव ब्लॉक में स्टैंडर्ड और रेग्युलेटेड हॉर्मोनल मेडिसिन उपलब्ध करा सकें। हम इसे एक मजबूत प्लेटफॉर्म मानते हैं, जिससे न सिर्फ नई पार्टनरशिप्स गहरी होंगी बल्कि 18 करोड़ से ज्यादा लोगों तक जरूरी थैरेपीज पहुँचाने का रास्ता भी खुलेगा।

यह ग्रोथ कई कारणों से हो रही है, जैसे प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती जागरूकता, सरकार की हेल्थकेयर सुधार योजनाएँ, और लोगों का आधुनिक फैमिली-प्लानिंग तरीकों की ओर रुझान आदि। एअएव की आबादी 18 करोड़ से ज्यादा है, इसलिए उन कंपनियों के लिए बड़े अवसर हैं जो भरोसेमंद, किफायती और रेगुलेटेड सप्लाई दे सकती हैं। नए GMP सर्टिफिकेशन के साथ एकम्स अब इस डिमांड को पूरा करने के लिए अपने ओरल हॉर्मोनल प्रोडक्ट्स को लेकर पूरी तरह तैयार है।

सागर पेट्रोल पंप के संचालक अवनीश श्रीनाथ सिंह के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के तत्वावधान में संस्था के संस्थापक सदस्य एवं सागर पेट्रोलियम के संचालक व्यवसायी अवनीश श्रीनाथ सिंह का जन्मोत्सव समारोह दिनांक 10 सितम्बर 2025, शाम 6:30 बजे सनी सिंह के कार्यालय में सादर आयोजित किया गया। अवनीश सिंह एक सरल सौम्यावादी, मृदु भाषी, विनम्र, ऊर्जावान, हिंदू वादी एक सामाजिक व्यक्ति है। उनके जन्मदिन पर अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र प्रताप सिंह, पंडित सुबोध आनंद महाराज, अमर सिंह, समर बहादुर सिंह, कुंवर संजय सिंह, विजेंद्र सिंह, संजय सिंह (सिटी लॉजिक), अजय सिंह, प्रभात सिंह बबलू, आर.डी. सिंह, विशाल सिंह, मान सिंह, सनी सिंह, पत्रकार अमित सिंह सहित समाज के अनेक प्रतिष्ठित सदस्य एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और संस्था के कार्यों की सराहना की। संस्था का मानना है कि ऐसे आयोजन समाज में भाईचारा, सहयोग एवं संगठन की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

सहकारी गृह निर्माण संस्था वाली इमारतों के लिए ओसी की जटिल प्रक्रिया आसान करवाने हेतु मंत्रालय में बैठक

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी विशेष रूप से आमन्त्रित किये गए

मुंबई। मुंबई उप नगर की सहकारी गृह निर्माण संस्था वाली इमारतों के लिए ओसी प्रदान करने की जटिल प्रक्रिया सुलभ करवाने हेतु माहिती, तंत्रज्ञान व सांस्कृतिक कार्य के साथ-साथ उप नगर के पालक मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार द्वारा 11 सितम्बर को मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।

बैठक में सहकारी गृहनिर्माण संस्था वाली इमारतों के नागरिकों की ओसी संबंधित अड़चनों व समस्याओं को लेकर चर्चा हो सकती है तथा ओसी के लिए कठोर माने जाने वाले नियम- कानूनों को आसान बनवाने की प्रक्रिया में कोई ठोस रणनीति बननी भी संभावित है।

मुम्बई में ओसी विहीन इमारतों के नागरिकों के हित के लिए उचित और आसान हल की आस में वर्षों से प्रयास और संघर्ष कर रहे जनसेवक गोपाल शेट्टी के इस महत्वपूर्ण बैठक में शरीक होने की खबर से लोगों में विश्वास जागा है कि ओसी मिलने की प्रक्रिया आसान करवाने में वे अवश्य सफल होंगे और एक सकारात्मक हल भी निकलेगा। इससे मुंबई उप नगर की सहकारी गृह निर्माण संस्था वाली इमारतों को ओसी मिलने की प्रक्रिया भविष्य में आसान हो सकती है।

पीएनबी ने एशिया कप 2025 की उपलब्धियों के लिए अभिषेक एवं सुखजीत सिंह को किया सम्मानित

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने भारत के दो हॉकी सितारों - ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता अभिषेक और सुखजीत सिंह - को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया। अभिषेक को हाल ही में एशिया कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। दोनों खिलाड़ी पीएनबी के सम्मानित कर्मचारी और पीएनबी हॉकी टीम के वरिष्ठ सदस्य हैं। बैंक हॉकी प्रतिभाओं का एक समूह तैयार करने के लिए एक हॉकी अकादमी भी चलाता है। यह सम्मान पीएनबी कॉर्पोरेट कार्यालय, द्वारका, सेक्टर 10, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जहाँ पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में दोनों हॉकी चैंपियनों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र भी शामिल था। अभिषेकः पेरिस 2024 ओलंपियन, राष्ट्रमंडल खेल 2022 के रजत पदक विजेता, एशियाई खेल 2022 के स्वर्ण पदक विजेता और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के स्वर्ण पदक विजेता रहे अभिषेक भारत के सबसे डॉयनमिक फॉरवर्ड खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे हैं। हाल ही में एशिया कप 2025 में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का ताज पाने वाले, उनके शानदार प्रदर्शन ने भारतीय हॉकी में गौरव बढ़ाना जारी रखा है। सम्मान समारोह में बोलते हुए, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ, अशोक चंद्र ने कहा पीएनबी को हमारे हॉकी सितारों की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर बहुत गर्व है। एशिया कप में अभिषेक और सुखजीत की सफलता उनकी प्रतिभा, जुझारूपन और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

शिवसेना विभाग प्रमुख पद पर कुणाल सरमळकर की नियुक्ति

मुंबई। हिंदु-दयसम्राट स्वर्गीय बाळासाहेब ठाकरे और स्व. आनंद दिघे जी के आशीर्वाद तथा महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे साहेब के आदेशानुसार कुणाल सरमळकर जी को शिवसेना विभाग क्रमांक 7, बांद्रा (पूर्व) का विभागप्रमुख नियुक्त किया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य सत्कार समारोह में सरमळकर का शॉल और पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), ज्योतिष व समाजसेविका श्रद्धा गोरगे, प्रताप पवार सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर कुणाल सरमळकर जी को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी तथा विश्वास जताया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में संगठन को और मजबूत करेंगे। यह नियुक्ति क्षेत्र में शिवसेना के कार्य को और अधिक गतिशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

ओसी विहीन इमारतों के निवासियों की परेशानी दूर करने के लिए मुख्यमंत्री और अधिकारियों से की

मुंबई। मुंबई में हजारों पुरानी इमारतों को ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट न मिलने से नागरिकों को हो रही परेशानियों को दूर करने के लिए भाजपा मुंबई OC अभ्यास समूह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महापालिका आयुक्त भूषण गगरानी और मुख्य अभियंता सुनील राठोड से मुलाकात की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस मुद्दे पर सकारात्मक हस्तक्षेप और पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है। बता दें कि भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने जनसेवक गोपाल शेट्टी की अध्यक्षता में यह अभ्यास समूह स्थापित किया है, जिसमें कानूनी और आर्किटेक्ट विशेषज्ञों का समावेश है, जिनमें एड. अमित मेहता, एड. जयप्रकाश मिश्रा, एड. विवेकानंद गुप्ता, एड. सिद्धार्थ शर्मा, आर्किटेक्ट तरुण मोता, अरविंद नंदापुरकर, जितेंद्र देऊळकर शामिल हैं।

सरकार हर परिस्थिति में कारीगरों और निर्यातकों के साथ खड़ी है : गिरीराज सिंह

वाराणसी. जब भदोही-मिर्जापुर की तंग गलियों में करघों पर चलती सूत की धड़कनें थमने लगें, तो यह केवल व्यापारिक संकट नहीं होता, यह भारत की आत्मा के मौन पड़ने जैसा है। बुधवार को राजधानी दिल्ली में वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह की अध्यक्षता में हुई संवाद बैठक में यही दर्द साफ-साफ झलका। बैठक में परिधान, घरेलू वस्त्र, हस्तशिल्प और कालीन जगत के प्रतिनिधि जुटे। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) की ओर से अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल, संजय गुप्ता, पीयूष बरनवाल, कैप्टन विजेंद्र जगलान और वसीम अहमद ने अपनी-अपनी पीड़ा साझा की। संवाद के अंत में वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सरकार हर परिस्थिति में कारीगरों और निर्यातकों के साथ खड़ी है। ह्वोकल फॉर लोकलह केवल नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की गूंज है। कालीन की बुनाई केवल धागों का मेल नहीं, यह पीढ़ियों की मेहनत, संस्कृति और श्रम का संचित इतिहास है। अमेरिकी टैरिफ ने इस इतिहास को चुनौती दी है। अब सरकार के सामने यह जिम्मेदारी है कि वह नीति और समर्थन से उन हथेलियों को बचाए, जो करघों पर भारत की पहचान बुनती हैं। सीईपीसी अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा, ह्वअमेरिकी टैरिफ वृद्धि हमारे उद्योग की सांसें रोक रही है। उन्होंने लंबित निर्यात संवर्धन मिशन योजना के शीघ्र क्रियान्वयन और ब्याज अनुदान योजना की बहाली की मांग रखी। साथ ही रूस व चीन से व्यापार समझौते कर नए रास्ते खोलने की अपील की। कैप्टन विजेंद्र जगलान ने छोटे निर्यातकों की व्यथा उजागर करते हुए कहा कि खरीदार इंतजार करते हैं, लेकिन उत्पादक रुक नहीं सकते, सरकार को तुरंत राहत देनी होगी।

फंडसइंडिया ने 20,000 करोड़ का एयूएम पार किया

मुंबई। भारत के अग्रणी डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म्स में गिने जाने वाले, फंड्सइंडिया ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का ऐलान किया है, जिसके मुताबिक इस प्लेटफॉर्म का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 20,000 करोड़ के पार चला गया है। यह उपलब्धि एक ऐसे भरोसेमंद फिनटेक लीडर के रूप में कंपनी की मार्केट में बेहद मजबूत स्थिति को रेखांकित करती है, जो बड़े पैमाने पर निवेशक-केंद्रित समाधान प्रदान कर रही है। फंड्सइंडिया का विकास पथ रिटेल निवेशकों, पार्टनर इकोसिस्टम और प्राइवेट वेल्थ क्लाइंट्स के लगातार हो रहे विस्तार को दर्शाता है, जिसके चलते वेल्थ मैनेजमेंट के क्षेत्र में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है। गहन शोध क्षमताओं और निवेशकों के स्थायी भरोसे की बदौलत, फंड्सइंडिया ने व्यक्तिगत मार्गदर्शन के साथ प्रौद्योगिकी-संचालित सुविधाओं जोड़ी हुई हैं, जिनके दम पर यह एक ऐसे फुल-सर्विस वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित होने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वेल्थ मैनेजमेंट के व्यापक समाधान चाहने वाले हर निवेशक का पसंदीदा प्लेटफॉर्म बने।

दो थानेदारों को हटाकर नए थानेदारों की नियुक्ति

जौनपुर (उत्तरशक्ति) | पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने दो थानेदारों को हटाकर उनके स्थान पर नए थानेदारों की नियुक्ति किया है। बरसठी प्रभारी निरीक्षक रहे राजेश कुमार यादव को वहां से हटाकर साइबर सेल का प्रभारी बनाया है। राजेश यादव के स्थान पर अमरेंद्र कुमार पांडे अब बरसठी थाना अध्यक्ष बनाया गया है। इसी क्रम में गौरा बादशाहपुर थाना अध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह को वहां से हटकर जन शिकायत सेल का प्रभारी बनाया गया है। यादवेंद्र कुमार सिंह के स्थान पर परमेंद्र कुमार यादव थाना अध्यक्ष गौरा बादशाहपुर बनाए गए हैं। इसी के साथ एक और निरीक्षक राकेश कुमार को इसी पुलिस ऑफिस में दूसरे स्थान पर नियुक्त किया गया है।